www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 95 I नर्मदापुरम, बुधवार 2 जुलाई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बिना पार्किंग के संचालित है कोचिंग सेंटर और बैंक,गली बन रही पार्किंग, परेशान वाईवासी पृष्ठ 2

कांग्रेस को 'फिदायीन हमलावरों' से कैसे बचाएंगे राहुल? बिहार में नये मतदाता मानदंड लागू करना एनआरसी लाने का संकेत पृष्ठ 4

एसबीआई 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर देश की यात्रा में इनोवेशन और सशक्तीकरण जारी रखेगा : वित्त मंत्री पृष्ठ 6

विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक और पहल पृष्ठ 8

मुख्यमंत्री की पसंद पर लगी सबकी मुहर

हेमंत खंडेलवाल भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे, औपचारिक ऐलान आज

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पसंद पर अपनी मुहर लगा दी। क्योंकि पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व चाहता है कि राज्य में सत्ता संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। श्री खंडेलवाल के नाम की औपचारिक घोषणा बुधवार को की जाएगी। केन्द्रीय मंत्री एवं चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान, पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक सरोज पाण्डेय और राज्य निर्वाचन अधिकारी विवेक नारायण शेजवलकर के समक्ष श्री खंडेलवाल ने अपना नामांकन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सहित कई अन्य नेताओं ने उनके नाम का प्रस्ताव किया। श्री खंडेलवाल के एकमात्र नामांकन से उनका सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने का रास्ता साफ हो गया है। कल चुनाव अधिकारियों और पार्टी नेताओं की बड़ी बैठक में खंडेलवाल के अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की जाएगी।

केन्द्रीय चुनाव अधिकारी धर्मेन्द्र प्रधान के यहां पहुंचने के बाद आज शाम 4:30 बजे से अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने की शुरूआत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ श्री खंडेलवाल ने अपना नामांकन दाखिल किया। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री बने प्रस्तावक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेन्द्र कुमार, सावित्री ठाकुर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश शासन के मंत्री राकेश सिंह, प्रहलाद सिंह पटेल एवं कैलाश विजयवर्गीय की ओर से पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया, वरिष्ठ नेता व विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रस्तावक बने।

केन्द्रीय नेतृत्व ने भी दी हरी झंडी

प्रदेश में भाजपा की सरकार है इसलिए पार्टी आलाकमान यह चाहता है कि सत्ता और संगठन के बीच समन्वय बना रहे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पृष्ठभूमि से आए और बैतूल से सांसद रहे हेमंत खंडेलवाल इस कसौटी पर खरे उतरते हैं, क्योंकि उनके सभी वरिष्ठ नेताओं से अच्छे संबंध हैं। संघ की ओर से सुरेश सोनी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने काफी पहले से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

खंडेलवाल का राजनीतिक सफर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने जा रहे हेमंत खंडेलवाल ने अपने पिता से राजनीति सीखी। उन्होंने बीकॉम एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद पिता के साथ राजनीति में सक्रिय हो गए थे। हेमंत खंडेलवाल के पिता विजय कुमार खंडेलवाल साल 1996 से साल 2004 तक लगातार चार बार बैतूल से सांसद रहे।

साल 2007 में विजय खंडेलवाल का निधन हो गया। इसके बाद हुए लोकसभा उप चुनाव में पहली बार हेमंत खंडेलवाल ने किस्मत आजमाई और सफलता भी पाई। साल 2008 में हुए परिसीमन के बाद बैतूल लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हो गई। इसके बाद पार्टी ने हेमंत खंडेलवाल को 2010 में बैतूल भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाया। वर्ष 2013 में वह भाजपा के टिकट से पहली बार विधानसभा चुनाव में उतरे। हालांकि 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके वह पार्टी और संगठन के साथ कदम से कदम मिलकर चलते रहे। वर्ष 2023 में हुए विधान सभा चुनाव में हेमंत खंडेलवाल को दूसरी बार विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कई राज्यों में हुए कई चुनावों में उनको पार्टी की ओर से बड़ी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया।

मध्यभारत को मिलेगी मजबूती

हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने से पार्टी को मध्य भारत अंचल में मजबूती मिलेगी, क्योंकि चुनावी समीकरण बनाने में ये अंचल बड़ी भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मालवा से आते हैं, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी मालवा से आते हैं जबकि दूसरे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला विन्ध्य क्षेत्र से आते हैं। निवर्तमान अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ग्वालियर चंबल अंचल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। महाकौशल सहित बुंदेलखंड के कई नेता मंत्रिमंडल में हैं।

सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए दी मंजूरी

1 लाख करोड़ की रोजगार प्रोत्साहन योजना को हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर विशेष ध्यान देते हुए सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) को मंजूरी दे दी है।

ईएलआई योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के पैकेज के हिस्से के रूप में की गई थी, जिसका कुल बजट परिव्यय 2 लाख करोड़ रुपए है। इस योजना के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को एक महीने तक का वेतन 15,000 रुपए तक मिलेगा, वहीं नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार पैदा करने के लिए दो वर्ष की अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को दो वर्ष के लिए विस्तारित लाभ दिया जाएगा। ईएलआई योजना का 99,446 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ लक्ष्य दो वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। इनमें से 1.92 करोड़ लाभार्थी पहली बार वर्कफोर्स में प्रवेश करने वाले होंगे। इस योजना का लाभ 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई, 2027 के बीच सृजित नौकरियों पर लागू होगा। यह योजना दो भागों में लाई जा रही है, जिसमें पहला ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रधानमंत्री के पास आया था फोन : जयशंकर

अमेरिकी से बातचीत में ट्रेड डील का जिक्र नहीं था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को आर्थिक हमला बताया है। उन्होंने कहा कि इस हमले का मकसद कश्मीर में टूरिज्म को नुकसान पहुंचाना था। जयशंकर ने साफ कहा कि भारत पर अगर परमाणु हमले की धमकी भी दी जाए तो भी पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद पर कार्रवाई रुकेगी नहीं।

न्यूयॉर्क में एक बातचीत के दौरान एस. जयशंकर ने बताया कि यह हमला सिर्फ लोगों को डराने के लिए नहीं, बल्कि कश्मीर की कमाई के सबसे बड़े जरिए टूरिज्म को खत्म करने के इरादे से किया गया. विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को गलत बताया जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान पर ट्रेड डील का दबाव बनाकर सीजफायर करवाया। जयशंकर ने कहा, मैं खुद प्रधानमंत्री मोदी के साथ था जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने फोन पर बात की थी। उस बातचीत में ट्रेड डील का कोई जिक्र नहीं था। उन्होंने ये भी कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ खड़ा रहेगा और कोई भी धमकी या दबाव हमें रोक नहीं सकता। विदेश मंत्री ने बड़ा खुलासा किया कि 9 मई, 2025 की रात जब पाकिस्तान ने भारत पर बड़े हमले की चेतावनी दी थी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी दबाव या डर को नजरअंदाज करते हुए सख्त रुख अपनाया। एस. जयशंकर ने कहा, मैं उस कमरे में था जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की और बताया कि पाकिस्तान भारत पर बहुत बड़ा हमला करने वाला है, लेकिन हमने कुछ शर्तें मानने से इनकार कर दिया और ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया घटनास्थल का दौरा

तेलंगाना फैक्ट्री धमाके में मरने वालों की संख्या 36 हुई

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पाशमैलारम स्थित फार्मास्यूटिकल इकाई का दौरा किया, जहां सोमवार को हुए विस्फोट में 36 श्रमिकों की मौत हो गई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिगाची इंडस्ट्रीज की फार्मा फैक्ट्री का दौरा किया, जहां 24 घंटे से अधिक समय बाद भी बचाव कार्य जारी है। रेड्डी ने सांगारेड्डी जिले के पाशमैलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित यूनिट को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से विस्फोट और उसके बाद लगी आग के बारे में बात की। उन्होंने बचाव कार्य की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। बचावकर्मी विस्फोट के प्रभाव से ढही तीन मंजिला इमारत के मलबे में शवों की तलाश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, डी. श्रीधर बाबू, पी. श्रीनिवास रेड्डी और जी. विवेक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सीएम रेड्डी ने उद्योग विभाग के अधिकारियों और कंपनी के प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने फैक्ट्री निदेशक और बॉयलर इंस्पेक्टर से पूछा कि क्या नियमित निरीक्षण किए गए थे और क्या कोई कमियां पाई गई थीं। उन्होंने अधिकारियों को निरीक्षण और कमियों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की राय लेने और भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने बचाव और राहत कार्य में लगे विभागों को समन्वय बनाए रखने और मलबा हटाने के दौरान दुर्घटनाओं से बचने का निर्देश दिया।

विदेशी टैंकर में लगी आग बुझाई

अरब सागर में नौसेना ने 14 लोगों की जान बचाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर अपनी तेज प्रतिक्रिया और समुद्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए समुद्री जहाज पर लगी आग पर काबू पाया है। यह आग उत्तरी अरब सागर में पलाउ-ध्वजवाहक टैंकर एमटी यी चेंग 6 पर लगी थी। इस बड़े अग्निकांड के दौरान नौसेना ने जोखिम भरे अग्निशमन और बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

नौसेना ने इस ऑपरेशन में समुद्री टैंकर पर मौजूद सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। नौसेना के मुताबिक 29 जून की सुबह, मिशन-आधारित तैनाती पर मौजूद आईएनएस तबर को एमटी यी चेंग 6 से 'मेडे' (आपातकालीन) कॉल प्राप्त हुआ। जहाज ने अपने इंजन कक्ष में भीषण आग लगने की सूचना दी। यह घटना फुजैरा, संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व में लगभग 80 नॉटिकल मील की दूरी पर हुई। भारतीय नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आईएनएस तबर को अधिकतम गति के साथ घटनास्थल की ओर रवाना किया। टैंकर के पास पहुंचकर, नौसेना ने जहाज के कप्तान से संपर्क स्थापित किया और तत्काल अग्निशमन अभियान शुरू किया। अग्निशमन अभियान पूरा होने के उपरांत मंगलवार को नौसेना ने बताया कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, 7 क्रू सदस्यों को नौसेना की नौकाओं की मदद से आईएनएस तबर पर सुरक्षित रूप से निकाला गया। सभी समय पर की गई त्वरित कार्रवाई से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सुरक्षित बचाए गए सभी लोगों को नौसेना की मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच प्रदान की गई है। नौसेना के मुताबिक जहाज के कप्तान सहित शेष क्रू सदस्य जहाज पर रहकर आग बुझाने के प्रयासों में शामिल रहे। आईएनएस तबर से 6 सदस्यीय अग्निशमन और क्षति नियंत्रण दल, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राहुल ने सरकार को घेरा

आर्थिक अन्याय का हथियार बना जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने के आठ साल पूरा होने के मौके पर मंगलवार को आरोप लगाया कि यह आर्थिक अन्याय का एक हथियर बन गया है और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मौजूदा जीएसटी प्रणाली में संशोधन की मांग करते हुए कहा कि भारत एक ऐसी कर प्रणाली का हकदार है, जो केवल विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। जीएसटी को एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आठ साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है। यह आर्थिक अन्याय और कॉरपोरेट भाईचारे का एक बर्बर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पेट्रोल-डीजल को जानबूझकर बाहर रखा गया

राहुल गांधी ने कहा, पेट्रोल और डीजल को जानबूझकर जीएसटी ढांचे से बाहर रखा गया है, जिससे किसानों, ट्रांसपोर्टरों और आम लोगों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''गैर-बीजेपी शासित राज्यों को दंडित करने के लिए जीएसटी बकाया को भी हथियार बनाया गया है, जो मोदी सरकार के संघवाद विरोधी एजेंडे का स्पष्ट प्रमाण है।' उन्होंने कहा, 'जीएसटी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का एक दूरदर्शी विचार था, जिसका उद्देश्य भारत के बाजारों को एकजुट करना और कराधान को सरल बनाना था, लेकिन खराब कार्यान्वयन, राजनीतिक पूर्वाग्रह से इस मामले में धोखा दिया गया है। एक संशोधित जीएसटी लोगों के लिए सबसे पहले, व्यापार के अनुकूल और वास्तव में संघीय भावना वाला होना चाहिए।' ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संवैधानिक अदालत ने लीक कॉल मामले में कार्रवाई

थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा निलंबित

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को निलंबित कर दिया। यह फैसला उस याचिका को स्वीकार करने के बाद आया है, जिसमें एक लीक हुई फोन कॉल के चलते उन्हें पद से हटाने की मांग की गई थी। यह कॉल कम्बोडिया के सीमा मुद्दों को लेकर थी। न्यायाधीशों की एक पीठ ने सर्वसम्मति से याचिका को स्वीकार किया और कहा कि अंतिम निर्णय आने तक प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न को तत्काल प्रभाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन रोकना होगा। अदालत ने कहा कि गंभीर और अपूरणीय क्षति से बचने के लिए अस्थायी उपाय किए जा रहे हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश मामलों और वित्त से संबंधित सभी कार्यों और शक्तियों के उपयोग से तब तक रोक दिया गया है जब तक अंतिम फैसला नहीं आ जाता। यह कदम ऐसे समय पर आया है, जब पिछले महीने कुछ सीनेटरों ने आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि पैटोंगटार्न ने कम्बोडियाई सीनेट अध्यक्ष समदेक टेचो हुन सेन से हुई एक टेलीफोन बातचीत के दौरान नैतिक मानकों का गंभीर उल्लंघन किया और संविधान का उल्लंघन किया।

कोचिंग सेंटर में आने वाले छात्र-छात्राएं मुख्य मार्ग और वार्ड की गली में अपने वाहन पार्क कर रहे हैं

बिना पार्किंग के संचालित है कोचिंग सेंटर और बैंक, गली बन रही पार्किंग, परेशान वार्डवासी

पिपरिया, देशबन्धु। किराए के भवनों में चल रहे कोचिंग सेंटर और बैंकों के पास स्वयं की पार्किंग सुविधा नहीं है। जिसके कारण गली और मुख्य मार्ग को ही इन्होंने पार्किंग बना दिया है। परिणाम स्वरूप वार्डवासियों को भारी परेशानी हो रही है। शहर का व्यस्ततम मार्ग सीमेंट रोड से स्टेशन रोड पर बैंकों के साथ साथ अनेक कोचिंग सेंटर भी संचालित हैं। ये सभी किराए के भवन में चल रहे हैं। इन सेंटर व बैंकों के पास स्वयं की कोई पार्किंग व्यवस्था नहीं है। कोचिंग सेंटर में आने वाले छात्र-छात्राएं मुख्य मार्ग और वार्ड की गली में अपने वाहन पार्क कर रहे हैं। इस अव्यवस्था को बैंक के अधिकारी और ग्राहक भी सहयोग कर रहे है। हम बात कर रहे हैं सीमेंट रोड पंजाब नेशनल बैंक क्षेत्र की। बैंक से सटी गली में अवैध पार्किंग चालू है। क्षेत्र में करीब चार कोचिंग सेंटर जिनमें लक्ष्य कोचिंग, द फोकस्ड मांइड एकेडमी, प्राइम मोटिवेशन, रेड लाइट कैम्पस संचालित हैं। इन

सेंटरों के संचालक कोचिंग से कमाई तो कर रहे हैं, लेकिन वाहन पार्किंग की सुविधा नहीं

संचालकों ने पल्ला झाड़ा:- अव्यवस्था फैला रही पार्किंग को लेकर कोचिंग संचालक अभिषेक राय (लक्ष्य कोचिंग) उमेश पटेल (द फोकस्ड माइंड) प्रीतेश भार्गव (प्राइम मोटिवेशन) दीपेश सराठे (रेड लाइट कैम्पस) का कहना है कि हमारे बच्चे गली में वाहन पार्क नहीं करते। बैंक अधिकारी और डेयरी संचालक खुद को इस अव्यवस्था का दोषी नहीं मानते।

संचालकों व वाहन मालिक पर हो कार्यवाही

अवैध पार्किंग से परेशान मोहल्ला वासी मनोज शर्मा, अमित जैन, विक्की साहू, राजू डेहरिया मुन्ना श्रोती आदि का कहना है कि कोचिंग सेंटर,होटल संचालक सहित वाहन मालिकों पर चालानी कार्रवाई होना चाहिए। अवैध पार्किंग से घरों तक आने जाने में परेशानी होती है।

अधिकारी बोले

मुख मार्ग और गली में पार्किंग अवैध है। जल्दी ही कोचिंग सेंटर, बैंक, डेयरी वालों को नोटिस देकर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

आरपी नायक
मुख्य नगरपालिका अधिकारी, पिपरिया

तेज मानसूनी बारिश से जनजीवन हुआ प्रभावित, बनखेड़ी में 174.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई

पिछले चार दिनों से रिमझिम बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहा।

बनखेड़ी, देशबन्धु। मानसून के सक्रिय होते ही बनखेड़ी क्षेत्र में बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। पिछले चार दिनों से रिमझिम बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहा। मंगलवार को तो सुबह से देर शाम 7 बजे तक लगातार तेज बारिश होती रही, जिससे क्षेत्र का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तेज बारिश के चलते कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे सड़कों पर आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ इलाकों में पानी जमा हो जाने से आमजन को खासी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। हालांकि बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी भी ला दी है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बारिश से धान की रोपाई का काम और तेजी से शुरू होने की उम्मीद है। पर्याप्त पानी मिलने से खेतों में कृषि कार्य को गति मिलेगी और फसल उत्पादन बेहतर होने की संभावना है।अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 01 जुलाई को प्रात: 8 बजे तक तहसील बनखेड़ी क्षेत्र में कुल 174.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

सार-समाचार

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में मनाया चिकित्सक दिवस

खिरकिया, देशबन्धु। उपसेवा केंद्र खिरकिया में 1 जुलाई को राष्ट्रीयचिकित्सक दिवस मनाया गया। जिसमें खिरकियां शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर, ईश्वरीय सौगात, प्रभु प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। जिसमें डॉक्टर विश्नोई , डॉ आर के विश्वकर्मा (शिशु रोग विशेषज्ञ, , डॉ रामकुमार सोनी , डॉक्टर अखिलेश सिंह राजपूत (जनरल फिजिशियन एवं सर्जन), डॉक्टर समीम खान (आर्केड हॉस्पिटल, , डॉ एस. मलिक, अनिल जी इंगले, डॉक्टर आलोक हीरा, डॉ आशुतोष करोडे, गणेश जी शर्मा, स्नेहील पारासर सम्मिलित थे। सेवा केंद्र प्रभारी बी.के उषा बहन ने कहा कि आज के समय में हर व्यक्ति अपने दिनचर्या अनुसार समय निर्धारित करके चलता है । समय पर ही अपने दिन की शुरुआत करता है एवं समय पूरा होने पर अपना कारोबार समेट कर घर वापस आ जाता है। लेकिन डॉक्टरों का जीवन ऐसा नहीं है वह मानव कल्याण के लिए जीता है । इमरजेंसी केस होने पर वह रात दिन भी मरीजों की सेवा में तत्पर रहते हैं अपने खाने-पीने का ध्यान भी नहीं रख पाते शायद इसीलिए डॉक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है । ऐसे चिकित्सकों का सम्मान करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है जो जन सेवा में समर्पित रूप से लगे रहते हैं।

ग्राम हथवास में चोरी: सीसीटीवी में कैद हुआ मोबाइल चोर, की शिकायत

पिपरिया, देशबन्धु। शहर से सटे ग्राम हथवास की एक ऑनलाइन वर्क शॉप में मोबाईल चोरी करता चोर सीसीटीवी में कैद हो गया। जिसकी शिकायत दुकानदार ने पुलिस थाने में की है। बीते दिन एक अज्ञात चोर ने दुकान से मोबाईल चोरी कर लिया। फरियादी मनीष पिता ओमप्रकाश शर्मा की ऑनलाइन वर्क की दुकान हथवास में स्थित है। गत दिवस करीब साढे 5 बजे मनीष ग्राहकी कर रहा था। उसी बीच एक ग्राहक बनकर आए अज्ञात चोर ने दुकान के काउंटर पर रखा मनीष का मोबाइल चुराकर ले गया। ये सारा घटनाक्रम दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गया। फरियादी ने थाने में शिकायत की है।

पेयजल नहीं, शौचालय बदहाल, प्रतीक्षालय में डला हुआ है ताला, स्टैंड और नल शोपीस

खिरकिया, देशबन्धु। जिले के खिरकिया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी जूझना पड़ रहा है। प्लेटफॉर्म पर पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है। स्टेशन पर लगे नल और वाटर स्टैंड केवल दिखावे भर रह गए हैं—12 महीने इनमें पानी की एक बूंद तक नहीं आती। स्टेशन परिसर में बना यात्री प्रतीक्षालय अक्सर बंद रहता है। मुसाफिरों को छांव में बैठने या बारिश से बचने की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में धूप, बरसात या सर्दी—हर मौसम में यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर की सफाई व्यवस्था बेहद लचर है। जगह-जगह कचरा और गंदगी नजर आती है, लेकिन रेलवे प्रशासन की आंखें इन सब पर बंद हैं। नियमित सफाई की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं दिखती। स्टेशन पर मौजूद रेलवे पुलिस चौकी में भी हालात अच्छे नहीं हैं। केवल दो कर्मचारियों के भरोसे चल रही यह चौकी खुद समस्याओं से घिरी है। बारिश के दिनों में चौकी के अंदर पानी भर जाता है।

बनखेड़ी थाना में हुई शांति समिति की बैठक

मुहर्रम पर्व की तैयारी पर शांति समिति की बैठक में रूट प्लान किया गया तय

बनखेड़ी, देशबन्धु। मंगलवार शाम 5 बजे थाना बनखेड़ी में मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह मुस्लिम समुदाय द्वारा मुहर्रम पर्व परंपरागत एवं शांतिपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। * मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि मुहर्रम कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी - 3 जुलाई (मोहर्रम 7 तारीख): अलग-अलग मोहल्लों से ईदगाह तक गस्त रहेगी और वापसी अपने-अपने घरों तक होगी। साथ में सबारी भी चलेगी। समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। 5 जुलाई (मोहर्रम 9 तारीख): सबारी

गुलाई अपने-अपने घरों से शुरू होकर सभी मोहल्लों में गस्त करेगी। यह कार्यक्रम रात 1 बजे तक चलेगा। 6 जुलाई (मोहर्रम 10 तारीख)= सुबह 9 बजे मोहिमन जमादारी मोहल्ले से सभी ताजिये गस्त करते हुए ईदगाह तक जाएंगे और वापसी में तापसी जमादारी मोहल्ले में समापन होगा। 7 जुलाई (मोहर्रम 11 तारीख)= सभी ताजिये शाम 4 बजे झंडाचौक, शब्बीर हुसैन बोहरा के सामने से ट्रकों द्वारा फोहापुर करबला ले जाए जाएंगे। वहां शाम 6 बजे तक 'ठंडे' किए जाएंगे और इसके बाद सभी लोग अपने घर लौटेंगे। बैठक में पुलिस व्यवस्था, रूट निर्धारण, यातायात नियंत्रण एवं अन्य सुरक्षा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिए गए। इस अवसर पर नायब तहसीलदार राम सिपाही मरावी, थाना प्रभारी सुधाकर बारसकर, भाजपा नेता संजीव मालानी, सादर इमरान खान सहित मुस्लिम समुदाय के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रशासन ने सभी से आपसी सौहार्द और सहयोग बनाए रखने की अपील की।

तवा बांध में लगातार बढ़ रहा है पानी, जिले में आज तक 1511.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

इटारसी। तवा बांध में लगातार पानी बढ़ रहा है। पिछले चौबीस घंटे में करीब सवा फिट पानी बांध में बढ़ गया है। पचमढ़ी, तवा बांध के कैचमेंट एरिया और बैतूल जिलों में होने वाली वर्षा से तवा बांध का जलस्तर बढ़ रहा है। नर्मदापुरम जिले की बात करें तो जिले में 1 जून 2025 से आज 01 जुलाई को प्रात: 8 बजे तक 1511.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 01 जुलाई 2025 को प्रात: 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 345.6 मिलीमीटर, सिवनी मालवा में 149.0 मिलीमीटर, इटारसी में 114.0 मिलीमीटर, माखननगर में 113.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 116.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 124.2 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 174.4 मिलीमीटर, पचमढ़ी में 234.6 एवं तहसील डोलरिया में 141.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है।

इटारसी को सूअर मुक्त बनाने का अभियान फिर शुरू

शहर की स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने सूअर पकड़ो मुहिम तेज

इटारसी, देशबन्धु। इटारसी शहर को आवारा सूअरों से मुक्त कराने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस सूअर मुक्त अभियान का उद्देश्य शहर की स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। अभियान के दौरान पुलिस सुरक्षा भी मौजूद रही ताकि कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। यह पहल शहर में बढ़ती सूअरों की समस्या के मद्देनजर की गई है, जिससे गंदगी फैलने और बीमारियों का खतरा बढ़ने की शिकायतें मिल रही थीं। पंकज चौरे ने कहा कि एक स्वच्छ और स्वस्थ इटारसी के निर्माण के लिए यह कदम उठाना बेहद जरूरी है।

कुछ जगहों पर हुई हल्की-फुल्की झड़पें हालांकि, इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान गरीबी लाइन और नाला मोहल्ला जैसे कुछ क्षेत्रों में छिटपुट घटनाओं की खबर भी मिली हैं। इन इलाकों में सूअर पकड़ने वाली टीम को स्थानीय निवासियों के कुछ विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की और गर्मा-गरमी देखने को मिली, लेकिन पुलिस की मौजूदगी से स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया। इन घटनाओं के पीछे कुछ लोगों द्वारा सूअर पाले जाने या उनके भावनात्मक लगाव को वजह माना जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों में कुछ दिक्कतें आती हैं, लेकिन प्रशासन जनहित में अपने काम के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सहयोग करने और इटारसी को एक बेहतर शहर बनाने में मदद करने की अपील की है।

10 तहसील व कस्बों के पदाधिकारी हुए शामिल, एक राय होकर लिए निर्णय

वैश्य महासम्मेलन नर्मदापुरम की कामकाजी जिला बैठक में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय

इटारसी, देशबन्धु। वैश्य महासम्मेलन मप्र नर्मदापुरम की जिला कामकाजी बैठक मंगलवारा धर्मशाला ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन कॉन्फ्रेन्स हाल पिपरिया में हुई। बैठक में जिले की 10 तहसील व कस्बों के पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि जबलपुर संभाग के अध्यक्ष संजय साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवानदास अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष अजीत सेठी, अभा माहेश्वरी महिला संगठन की सहसचिव अनिता जावंधिया, प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव व वैश्य महासम्मेलन की जिला प्रभारी राजश्री राठी, संभागीय अध्यक्ष नीरजा फौजदार, जिलाध्यक्ष संजय शिल्पी, जिला राजनीतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी दीपक अग्रवाल, युवा संगठन के जिलाध्यक्ष श्रीधर अग्रवाल, बालकिशन टावरी उपस्थित थे।

मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, मां दुर्गा की पूजन अर्चन से बैठक प्रारंभ हुई। स्वागत नृत्य अनुश्री विनोद सोनी ने व स्वागत गीत ऋतु जैन ने प्रस्तुत किया। बैठक में बताया कि पूरे भारत में वैश्य समाज के 373 घटक, मप्र में

54 घटक हैं। 15 दिन में प्रत्येक तहसील में पहुंचकर बैठक लेने पर चर्चा हुई। वर्तमान में प्रदेश में 60 हजार सदस्य हैं। सदस्यता अभियान जुलाई माह में चलाने को लेकर विचार विमर्श हुआ। नर्मदापुरम जिले में वर्तमान में 1100 सदस्य हैं जो 2 हजार सदस्य करने का लक्ष्य है। अतिथियों ने कहा कि जातिगत जनगणना वैश्य समाज के लिये वरदान है। सभी वैश्य सामाजिक सदस्यों से अनुरोध किया कि जाति के कालम में वैश्य अवश्य लिखें। प्रदेश में सदस्यों की संख्या को देखते हुए 7 जोनों में बांटा है। बैठक के दौरान बनखेड़ी, पिपरिया, सोहागपुर, सेमरी, माखननगर, शोभापुर, नर्मदापुरम, इटारसी, सिवनी मालवा, बनापुरा से लगभग 125 पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे। वैश्य महासम्मेलन की तीनों इकाई, मुख्य इकाई द्वारा वैश्य दिवस रैली, आजीवन सदस्यों का, समाजसेवी व मेद्यावी छात्र छात्राओं का सम्मान, पारिवारिक पिकनिक, वैश्य महापुरूषों की जयंती व शोभायात्रा का स्वागत महिला इकाई द्वारा बसंत पंचमी, हरियाली तीन, नवरात्रि में गरबा, नि:शुल्क कोचिंग कक्षा चलाने व मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग, खेल प्रतियोगिता युवा इकाई द्वारा रक्तदान सेवा दिवस, वैश्य चेतना रैली, व्यक्तित्व विकास सेमीनार, खेल प्रतियोगितायें आदि कराने वाले प्रभारियों का सम्मान किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल, संजय हनी मेडिकल, जिला महामंत्री हरीश अग्रवाल जिला मीडिया प्रभारी शैलेश जैन, पिपरिया तहसील इकाई के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बल्दुआ, प्रभारी राकेश सिंघल, महिला अध्यक्ष अनिता सोनी, युवा अध्यक्ष राहुल गगरानी का स्वागत किया।

रेल जंक्शन से गुजरने वाली स्पेशल ट्रेन की सेवाएं विस्तारित

इटारसी, देशबन्धु। गाड़ी संख्या 01922/01921 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन को यात्रियों की बढ़ती मांग के मद्देनजर विस्तारित करने का निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेल के बीना, विदिशा, रानी कमलापति, नर्मदापुरम एवं इटारसी के स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। गाड़ी संख्या 01922 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से 02 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक 27 फेरों के लिए चलती रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01921 पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को पुणे स्टेशन से 03 जुलाई 2025 से 01 जनवरी 2026 तक 27 फेरों के लिए किया जा रहा है।

चीतल के शिकार मामले के फरार तीन गिरफ्तार

इटारसी, देशबन्धु। वन परिक्षेत्र इटारसी अंतर्गत बागदेव सर्किल में अप्रैल माह में हुए चीतल के शिकार के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। छापामार कार्रवाई कर मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों कीरतपुर निवासी अशोक, लिखीराम और पथरौटा निवासी गोलू को दबिश देकर हिरासत में लिया।

नवाचारों को बच्चों तक पहुंचाने विज्ञान विषय के शिक्षकों का दिया प्रशिक्षण

इटारसी, देशबन्धु। विज्ञान के नवाचारों को बच्चों के बीच पहुंचाने विज्ञान विषय के शिक्षकों को विकासखण्ड नर्मदापुरम के अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला एसपीएम में विज्ञान प्रशिक्षण दिया गया। राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर योगेन्द्र कश्यप, राजेश यादव ने नर्मदपुराम ब्लाक के विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षकों को दो-दो दिवस के 2 बैच में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान बीआरसी सपना

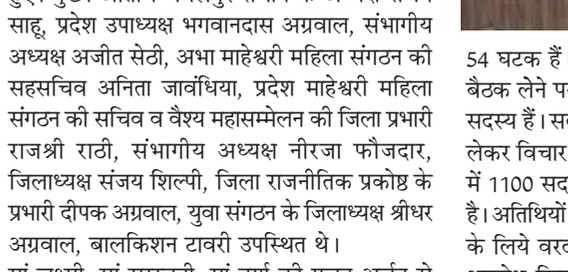

गोल्हानी ने विज्ञान विषय की समझ आधारित अपना मार्गदर्शन दिया।एकीकृत माध्यमिक शाला एसपीएम के प्रधान पाठक अखिलेश पाठक ने प्रशिक्षण स्थल पर किसी को कोई असुविधा न हो इस बात का ख्याल रखा। जनशिक्षक केएस वारिवा ने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि प्रशिक्षण में सिखाये गए नवाचारों को बच्चों के बीच पहुंचायें। मास्टर ट्रेनरों ने अध्याय शिक्षण चक्र, पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना, प्रशिक्षण के उद्देश्य क्या है, हमने अब तक क्या सीखा, शब्दों की दीवार, रोचक शुरुआत, करें और सीखें, समझ की जांच, अभ्यास कार्य समेकन ओर गृहकार्य के टॉफिक पर विशेष चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के दौरान जन शिक्षक पुरुषोत्तम अहिरवार, विद्या ठाकुर, कमलेश कटारे, ज्योति सूर्यवंशी, रामभरोस यादव, प्रमोद नागर, संतोष तनेजा, देवेन्द्र खरे, अरुणा गौर आदि उपस्थित थे। आगामी दिवस में गणित, सामाजिक विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षकों का भी दो-दो बैच में प्रशिक्षण होगा।

ट्यूबवेल खनन हुए डेढ़ माह हो गये, लेकिन उसे पाइप लाइन से नहीं जोड़ा गया

सभापति ने दिया धरना तो वार्ड में डलने लगी पाइप लाइन

इटारसी, देशबन्धु। सभापति मनजीत कलोसिया को अपनी वार्ड में पाइप लाइन डलवाने के लिए अपनी ही परिषद के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ा। लगातार जल विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से अनुनय-विनय के बाद आखिरकार उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया और अपने साथियों के साथ अपनी ही परिषद के कामकाज के खिलाफ धरने पर बैठे। उनके वार्ड में ट्यूबवेल खनन हुए डेढ़ माह हो गये, लेकिन उसे पाइप लाइन से नहीं जोड़ा गया। कई बार अधिकारियों से गुहार के बावजूद जब सुनवाई नहीं हुई तो आखिरकार आज उन्हें धरना देना पड़ा। धरने के बाद आखिरकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा, जल विभाग के प्रभारी उपयंत्री आदित्य पांडेय, रविन्द्र जोशी अपने विभागीय कर्मचारियों के साथ धरना स्थल नगर पालिका के ओवरब्रिज के नीचे बने आफिस के सामने पहुंचे और आज ही काम प्रारंभ करने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। इसके बाद जल विभाग की टीम वार्ड में पहुंची और काम भी प्रारंभ करा दिया गया।

नगरपालिका के खिलाफ धरने पर बैठे सभापति/पार्षद मनजीत कलोसिया ने बताया कि डेढ़ माह पहले आंबेडकर नगर में खुदे ट्यूबबेल में अभी तक पाइपलाइन नहीं जोड़ी गई। नपा की लापरवाही और झूठे दिलासों से नाराज होकर ही उन्होंने आज वार्डवासियों के साथ धरना दिया था।

एक और सभापति का मिला समर्थन

इधर बाजार समिति की सभापति अमृता मनीष सिंह ठाकुर ने वार्ड सभापति एवं साथी पार्षद मनजीत कलोसिया द्वारा उठाई गई समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि वार्ड आंबेडकर नगर क्षेत्र में डेढ़ माह पूर्व खुदवाए गए ट्यूबवेल में आज तक पाइपलाइन नहीं जोड़ी गई है, जिससे वहां के निवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर विषय को लेकर हमारे साथी पार्षद एवं वार्ड सभापति मनजीत कलोसिया द्वारा कई बार नगर पालिका अधिकारियों से चर्चा की गई, परंतु समस्या का आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। इस उपेक्षा से क्षुब्ध होकर वार्डवासियों के साथ उन्हें धरना एवं विरोध प्रदर्शन का मार्ग अपनाना पड़ा है। मैं बतौर पार्षद, वार्ड 13, न्यास कॉलोनी, आपसे विनम्र आग्रह करती हूं कि आप इस समस्या को प्राथमिकता से लेकर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को राहत मिले और जनप्रतिनिधियों को आंदोलन जैसी स्थिति में न आना पड़े। आखिरकार धरना और पत्र ने काम किया और अधिकारियों ने वार्ड में काम प्रारंभ करा दिया है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आज, अध्यक्ष रहेंगे मौजूद

हरदा ,देशबन्धु। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति और सामान्य सभा की बैठक 2 जुलाई को आयोजित की गई है। जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया ने बताया कि जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12:30 बजे से जिला पंचायत के सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

कलेक्टर ने कृषि उपज मण्डी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरदा ,देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने

मंगलवार को कृषि उपज मण्डी हरदा का औचक निरीक्षण कर वहां खाद व उर्वरक वितरण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होने इस दौरान उपस्थित किसानों से चर्चा कर वहाँ आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद व उर्वरक का वितरण टोकन के माध्यम से किया जाए ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के दौरान जिला विपणन अधिकारी योगेश मालवीय व उप संचालक जे.एल. कास्दे सहित मण्डी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नार्मदीय ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी का खरगोन में हुआ सम्मान

हरदा , देशबन्धु। खरगोन में मां रेवा न्यास द्वारा आयोजित वार्षिक साधारण सभा सम्मेलन में नार्मदीय ब्राह्मण समाज के मुख्य ट्रस्टी अशोक पाराशर का

सम्मान किया गया ।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि आयोजनों के माध्यम से एक दूसरे से मेल जोल का अवसर मिलता है ।इस दौरान न्यास द्वारा उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया गया ।कार्यक्रम में डॉ पीएस भालके की स्मृति में स्वास्थ्य एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में विशेष अतिथि बालीपुर धाम के संत योगेश महाराज ने रेवा न्यास परिसर में निर्मित भवन का लोकार्पण किया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विराज भालके ने की।

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों की होगी एनीमिया की जांच

हरदा, देशबन्धु। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 5 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बालक बालिकाओं की डिजीटल विधियों से एनीमिया की जांच कर यथोचित उपचार व रिपोर्टिंग की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि बच्चों की एनीमिया जांच के लिये ''एनीमिया जांच दल'' गठित किया गया है। शालेय एनीमिया जांच अभियान के लिये आरबीएसके के नोडल अधिकारी डॉ. जे.एस. कुशवाहा को प्रभारी बनाया गया है। ए.एम.ओ. डॉ. आशुतोष करोड़े, विकासखण्ड टिमरनी के लिये ए.एम.ओ. डॉ. योगेश अग्रवाल, विकासखण्ड हरदा के लिये ए.एम.ओ. डॉ. फजल खान व डॉ. विजय मीणा तथा नगरीय क्षेत्र हरदा के लिये ए.एम.ओ. डॉ. मंजू वर्मा तथा डॉ. पीएन छलौत्रे को दायित्व सौंपा गया है।

जगदीश मंदिर एवं इस्कॉन मंदिर ने जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली

नर्मदापुरम, देशबन्धु। इस्कॉन मंदिर के द्वारा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली। जिसमें श्रद्धालुओं ने हर रामा, हरे कृष्णा नाम कीर्तन किया । भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

लगातार चल रहा स्वच्छता अभियान

आईटीआई क्षेत्र और एनएमवी कालेज वाले नाले को किया साफ

स्वच्छता निरीक्षक कर रहे कचरा वाहनों की मानिटरिंग

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगर के सभी वार्डों में स्वच्छता अभियान बारिश के मौसम को देखते हुए तेजगति से चलाया जा रहा है। वहीं नगर के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां कचरा ज्यादा एकत्रित होता है वहां विशेष रूप से पोकलेन और जेसीबी की मदद से कचरा साफ कराया जा रहा है।

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर समूचे नगर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को आईटीआई क्षेत्र के नाले नालियों में एकत्रित हुए कचरे को साफ कराया गया। वहीं एनएमवी कालेज के पास नाला भी पालिथिन, पन्नी से चौक हो गया था उसे भी जेसीबी की मदद से साफ कराया गया है। स्वच्छता निरीक्षक श्री तिवारी ने बताया कि नागरिकों से कचरा नाले नालियों और खुले प्लाटों में कचरा न फैंकने की अपील की जा रही है। सड़क किनारे या फिर यहां

वहां कचरा फैंकने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। हम लगातार कचरा वाहनों की मानिटरिंग कर रहे हैं कचरा वाहन हर वार्ड में पहुंच रहा है।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने बताया कि नगर में अनेक धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में नगर को स्वच्छ रखना आपकी और हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि आपके द्वार कचरा वाहन पहुंच रहा है। कचरा उसी में डालें। यहां वहां कचरा न फैंकें। कचरा नालियों में फंसकर जलभराव की स्थिति उत्पन्न करता है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर मंगलवार को नगरपालिका के अधिकारियों द्वारा सेठानीघाट पर बने बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को पुख्ता रखने के निर्देश दिए। बाढ़ आपदा सहायक प्रभारी अधिकारी योगेश सोनी ने बताया कि प्रभारी अधिकारी दीक्षा तिवारी द्वारा सेठानीघाट पर बने बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया गया। जल स्तर पर निगरानी रखने के, घाटों की साफ सफाई व्यवस्था और घाट पर उद्घोषणा करते रहने के निर्देश दिए गए। बाढ़ संबंधित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

सड़क से हटाया अतिक्रमण

नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नगर की सड़क किनारे व्यवसाय करने वालों को लगातार हटाया कर उन्हें निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नपाध्यक्ष और मुख्य नगपालिका अधिकारी के निर्देश पर लगातार सड़कों का निरीक्षण किया जा रहा है। जहां भी फल सब्जी या अन्य ठेले वाले सड़क किनारे खड़ा कर व्यवसाय कर रहे हैं उनको निर्धारित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। उन्हें समझाइश भी दी जा रही है। दोबारा सड़क किनारे मिले तो अब जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर सीमा से बाहर किए पशु

हांका दल प्रभारी गगन सोनी ने बताया कि आवारा पशुओं को लगातार नगर सीमा से बाहर किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले पशुओं की निगरानी की जा रही है। नगर की चहुंओर की सड़कों पर हाका दल के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। सोमवार और मंगलवार को नगर के प्रमुख चौक चौराहों से आवारा पशुओं को पकड़कर नगर सीमा से बाहर किया गया। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। गगन सोनी ने नगर के पशु पालकों से आग्रह किया है वे कि अपने पशुओं को बांधकर रखें। आवारा न छोड़ें इससे दुर्घटना होने की संभावना रहती है।

सभी अधिकारी वर्षा पूर्व की सभी तैयारियां सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को बैठक में दिये स्पष्ट निर्देश, बोलेः लापरवाही न हो

हरदा, देशबन्धु। सभी संबंधित अधिकारी बाढ़ राहत सहित सभी पूर्व तैयारियाँ शीघ्र पूर्ण करें ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। सभी एसडीएम अपने-अपने अनुभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जर्जर भवनों का गहन सर्वेक्षण कर संभावित जोखिमों का आंकलन कर आवश्यक सुधार कार्य एवं सतत निगरानी सुनिश्चित करें तथा अत्यधिक जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होने बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर सहायक संचालक मत्स्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश भी दिये। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया, एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया व एसडीएम टिमरनी महेश बड़ोले सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर जैन ने सभी एसडीएम व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को टीम बनाकर अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने जिला विपणन अधिकारी को निर्देश दिये कि टोकन के माध्यम से खाद एवं उर्वरक का वितरण सुनिश्चित करें। उन्होने सभी एसडीएम को खाद वितरण कार्य की मॉनिटरिंग करने व आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल का सहयोग लेने के निर्देश भी दिये। उन्होने जिला आपूर्ति अधिकारी, सहायक आपूर्ति अधिकारियों व तहसीलदारों को जिले के पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र को सभी शासकीय स्कूलों में शतप्रतिशत विद्यार्थियों के प्रवेश व पुस्तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होने इस दौरान अशासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर एनसीआरटी की पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य पुस्तकें पाये जाने पर कार्यवाही के निर्देश भी दिये।

कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करें

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि सभी फाईलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही प्रेषित की जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने सभी अधिकारियों को लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करने व 10 जुलाई से पूर्व सभी कर्मचारियों की गोपनीय चरित्रावली पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करें साथ ही सार्थक एप की रिपोर्ट के आधार पर ही कर्मचारियों व अधिकारियों का वेतन आहरण करें। उन्होने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता से बात कर शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने ई-केवाईसी के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा जिला पंचायत की मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमती झानिया को मिशन मोड में ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये।

अवैधानिक मत्स्याखेट पर प्रशासन की कड़ी कार्यवाही

60 किलो मछली जप्त कर की गई नीलामी

नर्मदापुरम/ इटारसी, देशबन्धु। जिले में बंद ऋतु के दौरान मछलियों के प्रजनन काल में अवैधानिक मत्स्याखेट, विक्रय एवं परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देशों के पालन को लेकर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। तत्संबंध में कलेक?टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मछली पालन विभाग के गठित दल ने गत दिवस इटारसी मछली बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार में अवैधानिक रूप से रखी गई लगभग 60 किलो मछली को जप्त कर नीलामी की कार्रवाई की गई। नीलामी से प्राप्त राशि 2500 रुपए की राशि शासन के मद में चालान के माध्यम से जमा कराई गई।

इस दौरान आस-पास के सभी मत्स्य विक्रेताओं को जारी अधिसूचना के संबंध में अवगत कराया गया कि बंद ऋतु (16 जून से 15 अगस्त) के दौरान मछलियों के प्रजनन काल में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं परिवहन दंडनीय अपराध है। अधिसूचना के उल्लंघन की दशा में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदा वैली इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया डॉक्टर्स-डे

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदा वैली इंटरनेशनल स्कूल नर्मदापुरम में डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में डॉक्टरों की अहम भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय अस्पताल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील जैन रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को डॉक्टर बनने के लिए आवश्यक समर्पण, सेवा भावना और कठिन परिश्रम के महत्व को सरल शब्दों में समझाया।

कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के डॉक्टरों जैसे — दंत चिकित्सक, नेत्र विशेषज्ञ, सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ आदि की भूमिका निभाते हुए एक रचनात्मक %रोल प्ले% प्रस्तुत किया। बच्चों की मासूम प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य इमरान खान ने बच्चों को डॉक्टरों के कार्यों और समाज में उनकी भूमिका के बारे में प्रेरणादायक बातें बताईं। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे भविष्य में अच्छे डॉक्टर बनकर देश और मानवता की सेवा करें।

इस कार्यक्रम की सफलता में शिक्षिकाओं मावरा खान, दुर्गा ठाकुर, पुष्पा गोस्वामी, नेहा श्रीवास्तव, निधि लाल, उमा मिश्रा, जगमीत कौर, दीपा सेंगर, कनक शर्मा एवं श्रुतिका मालवीय का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम का समापन श्रीमती श्वेता शुक्ला द्वारा डॉक्टरों के प्रति आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। सम्पूर्ण विद्यालय परिसर में डॉक्टरों के सम्मान में तालियों से गूंज उठा। विद्यालय के डायरेक्टर मनीष अग्रवाल ने सभी को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए डॉक्टरों के योगदान को नमन किया और बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

लोक निर्माण विभाग ने चलाया वृहद पौधारोपण अभियान

नर्मदापुरम जिले में 1755 पौधे किये गये रोपित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण के लिए लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में चलाए जा रहे वृहद पौधारोपण अभियान के तहत 01 जुलाई 2025 को चिनार पार्क, भोपाल में लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने पौधारोपण कार्यक्रम को एक अति महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य के रूप में संबोधित किया।

मंत्री श्री सिंह ने अपने संबोधन में 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को चरितार्थ करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मार्गदर्शी सिद्धांत बताए एवं प्रत्येक जिले को कम से कम 1200 पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पौधों की निगरानी सेटेलाइट के माध्यम से की जाएगी ताकि पौधारोपण की सतत देखरेख सुनिश्चित की जा सके।

इसी क्रम में नर्मदापुरम जिले में लोक निर्माण विभाग (भवन/पथ), लोक निर्माण विभाग (भवन), सेतु उपसंभाग तथा एम.पी.आर.डी.सी. नर्मदापुरम की टीमों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जिले में सर्किट हाउस रेस्ट हाउस/पी.आई.यू. द्वारा निर्मित भवनों एवं विभिन्न मार्गों पर पौधारोपण कार्य संपादित किया गया।

पौधा रोपण अभियान के तहत लोक निर्माण विभाग (भवन/पथ) द्वारा 1375 पौधे, लोक निर्माण विभाग (भवन) द्वारा 150 पौधे, सेतु उपसंभाग नर्मदापुरम द्वारा 120 पौधे, तथा एम.पी.आर.डी.सी. नर्मदापुरम द्वारा 110 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 1755 पौधों का सामूहिक रूप से सुरक्षित वृक्षारोपण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

धर्म लक्ष्मी एसोसिएशन ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

हरदा, देशबन्धु। समीपस्थ ग्राम कड़ोला उबारी में धर्म लक्ष्मी वेलफेयर एसोसिएशन ने एकीकृत नवीन माध्यमिक शाला में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया ।इस दौरान मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय,वरिष्ठ समाजसेवी राधेश्याम गोदारा,विशेष अतिथि सरपंच रमेश विश्नोई,सेवानिवृत बीआरसी बीएल गुर्जर उपस्थित रहे ।अपने माता पिता की स्मृति में स्थापित धर्म लक्ष्मी वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक एवं रिटायर्ड शिक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने बताया कि संस्था विद्यार्थियों के प्रोत्साहन एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध है ।विद्यार्थी उचित शिक्षा ग्रहण करे हमारा यही प्रयास है,इसलिए एसोसिएशन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर रहा है ।इस दौरान विद्यालय से कक्षा 5 वीं में सत्र 2021-2022 से 2024- 25 तक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी अमन पिता असलम,आबिया पिता आजाद, तनुष्का बिलारे,सोफिया पिता शौकत,साहिर पिता मकसूद को सम्मानित किया,वहीं इसी तरह विगत चार सत्रों से कक्षा आठवी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शुभम पिता नर्मदाप्रसाद, नरगिस पिता इमराम,अमन पिता असलम, बालिया पिता सलीम को भी सम्मानित कर स्मृति चिन्ह दिया ।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रोत्साहन से बच्चों में बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है,विद्यार्थी ,देश का भविष्य है,देश का भविष्य स्वर्णिम हो,इसके लिए हम सभी को तत्पर रहना चाहिए ।सरपंच रमेश विश्नोई ने मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दे ।रिटायर्ड बीआरसी बीएल गुर्जर ने अनुशासन के साथ विद्या अध्ययन की बात कही,उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास श्रेष्ठ परिणाम दिलाता है ।अंत में आभार संस्था की प्रभारी प्रधानाध्यापक ज्योति पटेल ने व्यक्त किया।

समेरिटंस स्कूल इटारसी आज से नवीन भवन बोरतलाई में हुआ स्थानांतरित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। इटारसी में संचालित समेरिटंस इंग्लिश मीडियम स्कूल आज से बेगानिया रोड स्थित ग्राम बोरतलाई में नवनिर्मित अपने नवीन में संचालित होगा। इस सम्बन्ध में समेरिटंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के डायरेक्टर डा आशुतोष कुमार शर्मा ने बताया कि अभी तक विद्यालय सूरजगंज स्थित किराए के भवन में संचालित था। इस वर्ष स्कूल का अपना सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन बनकर तैयार हो गया है। आज नवनिर्मित भवन में वस्तु पूजा के बाद स्कूल यहीं संचालित होगा। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बच्चों के लिए शहर से आने जाने के लिए बस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

श्री समर्पण श्री संस्था ने जन समस्याओं को लेकर बिजली विभाग को दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। ज्ञात हो कि श्री समर्पण श्री जन समस्याओं को लेकर लगातार प्रशासन को अवगत करवाते आ रही है, इसी तारतम्य में बिजली विभाग से जुड़ी कुछ समस्याओं को लेकर बिजली विभाग को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है। श्री समर्पण श्री के स्वदेश सैनी ने बताया कि बिजली विभाग को संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया है जिसमें मुख्यत: यह है की

स्मार्ट मीटर लगाने से बिल ज्यादा आ रहा है इसका समाधान तत्काल करे। बिजली विभाग द्वारा हर साल जो मेंटेनेंस किया जाता है लेकिन जरा सी बारिश में घंटों बिजली गुल रहती है आखिर हर साल कैसा मेंटेनेंस किया जाता है जगह जगह खंभों से तार नीचे तक लटक रहे जिससे कभी भी घटना हो सकती है 1912 पर कॉल करने में समस्या का समाधान न होने पर भी शिकायत को बंद कर दिया जाता है आपके द्वारा लोकल के अधिकारियों के नंबर सार्वजनिक किए जाए जिससे आम जनता अपनी समस्या तत्काल संबंधित अधिकारी को बता सके अक्सर देखने में आया है कि बड़े बड़े संस्थान कम लोड का कनेक्शन लेकर अधिक बिजली का उपयोग कर रहे है उन पर तत्काल कार्यवाही करे। वोल्टेज फ्लेक्चुएशन होने के कारण घरों के इलेक्ट्रॉनिक आइटम खराब हो रहे है इस समस्या से निजाद दिलावे। नगर में अक्सर देखा गया है कि डीपी के नीचे लोगों ने टप रखकर व्यवसाय कर रहे है जिससे जनहानि होने का खतरा है ऐसे टप तत्काल हटवाया जाए। श्री समर्पण श्री ने एमपीईबी के अधिकारी अवधेश त्रिपाठी को ज्ञापन दिया, ज्ञापन के दौरान श्री त्रिपाठी से संस्था सदस्यों ने निवेदन किया कि समस्या का समाधान तत्काल करे अन्यथा संस्था उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन देने के दौरान श्री समर्पण श्री के स्वदेश सैनी, अतुल जोशी, गोलू राजपूत,नितेश राजोरिया रहमान खान, राहुल रॉव, दीपक मंडरे , अनिल राजपूत, अयान कुरैशी, आकाश बाथरे, अजय अवस्थी, अनुज सोनी, पीयूष मीना, अमन दोहरे, गौरव धानक, राज खिल्लारे, रितेश मालवीय, रितिक मालवीय,रोहन यादव, ऋषभ निगोटे,हर्ष सराठे, सतीश इंगले, ललित मीना उपस्थित रहे।

आपकी सेवा को नर्मदापुरम् कभी भूल नहीं पाएगा: नपाध्यक्ष

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आपके द्वारा नगरपालिका के माध्यम से नागरिकों को दी गई सेवा नर्मदापुरम् कभी नहीं भूल पाएगा। आपने अपने पदीय दायित्व के साथ जो भी जिम्मेदारी दी थी उसे बखूबी निभाया है। यह बात आज नगरपालिका के वरिष्ठ उपयंत्री महेंद्र सिंह तोमर के सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहीं। उन्होंने श्री तोमर को सेवानिवृत्ति पर उन्होंने शुभकामनाएं दी तथा स्मृति चिह्न, साल श्रीफल से सम्मान किया। साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने भी श्री तोमर को बधाई देते हुए कहा शासन और प्रशासन द्वारा दिए गए दायित्वों का बहुत अच्छे तरीके से पालन किया है। इस अवसर पर नपा के उपयंत्री, पूर्व पार्षद सेट्टी चौकसे, जीतू तिवारी, पार्षद प्रकाशनारायण गौर, कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी के साथ ही समूचा नगरपालिका का स्टाफ उपस्थित रहा।

नर्मदापुरम, बुधवार 2 जुलाई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

कोल्हापुरी चप्पल की अंतरराष्ट्रीय चोरी

भारत में धार्मिक आयोजनों में या धार्मिक स्थलों के बाहर चप्पल चोरी तो इतनी आम बात हो चुकी है कि अब उसे मजाक की तरह लिया जाता है। लेकिन भारत की खास पहचान कोल्हापुरी चप्पलों की अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में चोरी के रास्ते खोले गए हैं, जिस पर सरकार को फौरन सख्ती बरतने की जरूरत है। दरअसल महाराष्ट्र और कर्नाटक के कारीगरों की बनाई खास कोल्हापुरी चप्पलों जैसी ही डिजाइन की सैंडिल को हाल में इटली के मशहूर फैशन ब्रांड प्राडा ने एक लाख रुपये से ज्यादा में बेचा है। इस खबर के बाहर आते ही सवाल खड़े हो गए कि क्या वैश्विक बाजार में अब भारत की चप्पलें भी सुरक्षित नहीं हैं, क्या उनकी भी चोरी हो रही है। क्योंकि जिस खास कोल्हापुरी चप्पल को ज्यादा से ज्यादा हजार रूपए में बेचा जाता है और उस पर भी कारीगरों के हाथ में कुछ नहीं आता, वहीं वैश्विक कंपनियों को इस तरह नकल से मुनाफा कमाने दिया जा सकता है, इस पर चिंता खड़ी हो गई है। इस बारे में कर्नाटक कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने एक पोस्ट में बताया कि कोल्हापुरी चप्पल बनाने वाले बड़ी संख्या में कारीगर कर्नाटक के अठानी, निपानी, चिकोड़ी, रायबाग और बेलगावी, बागलकोट और धारवाड़ के विभिन्न इलाकों में रहते हैं। वे पीढ़ियों से कोल्हापुरी चप्पलें बना रहे हैं और उन्हें नजदीकी शहरों में बेच रहे हैं, खासकर कोल्हापुर में, जो समय के साथ इनका ब्रांड और बाजार बन गया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में भी इसके कारीगर हैं। अगर मशहूर फैशन ब्रांड्स इन कारीगरों के उत्पादों को बेचते हैं तो कारीगरों के हुनर और उनकी विरासत को पहचान मिलनी चाहिए।

बता दें कि 2019 में कारीगरों ने लंबी लड़ाई के बाद कोल्हापुरी चप्पलों के लिए जीआई टैग हासिल किया था, फिर भी प्राडा ने इसकी बेधड़क नकल की है। जिस पर अब यह मांग उठी है कि भारत सरकार जीआई टैग वाली चीज़ों को बचाने के लिए मज़बूत नियम बनाए। यह भी कहा गया कि बड़े ब्रांड कारीगरों के साथ मिलकर काम करें और उन्हें सही पैसे दें। कोल्हापुरी चप्पल बनाने वालों का कहना है कि अगर विवाद नहीं सुलझा तो वह इस मुद्दे को कोर्ट में ले जाएंगे।

वहीं प्राडा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के प्रमुख लोरेंजो बर्टेली ने 'महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर' के एक पत्र के जवाब में कहा कि हम जिम्मेदार डिजाइन तौर तरीकों, सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और स्थानीय भारतीय कारीगर समुदायों के साथ सार्थक आदान-प्रदान के लिए बातचीत शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जैसा कि हमने अतीत में अन्य उत्पादों में किया है ताकि उनके शिल्प की सही पहचान सुनिश्चित हो सके।

भारतीय शिल्प को सही पहचान देने की बात एक मशहूर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड करे तब भी इस मामले के बाद निश्चित होकर बैठना सही नहीं होगा। क्योंकि इतिहास गवाह है कि किस तरह हमारे उत्पाद, हस्तशिल्प, फसलों, प्राकृतिक संसाधनों इन सबका दोहन करके लंबी गुलामी की तरफ देश को धकेला गया। आजादी के बाद भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगाहें भारतीय बाजार पर गड़ी हुई हैं। भूमंडलीकरण ने लूट के नए दरवाजे खोले हैं। बाजार की चकाचौंध और मार्केटिंग के नए तरीकों की आड़ में आम उपभोक्ता और कारीगरों दोनों को चूना लगाया जाता है और अक्सर इनके मुनाफे का बड़ा हिस्सा राजनैतिक चंदे की शक्ल में सत्ताधीशों को मिलता है, तो वे इस लूट पर बेफिक्र दिखाई देते हैं।

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई बार इस मुद्दे को अलग-अलग तरीके से उठाया है कि भारत के हुनर को मुनाफा कमाने के अवसरों से वंचित रखा जा रहा है। किसान, मोची, नाई, कुम्हार, राजमिस्त्री, पाक कला शास्त्री, बुनकर, हस्तशिल्प कारीगर ऐसे अनेक लोगों या समूहों से राहुल गांधी ने मुलाकात कर उनके काम को समझा है और उनके लिए अवसरों की नयी संभावनाओं को टटोला है। लेकिन विपक्ष में होने के कारण वे एक सीमा तक ही इस मुद्दे को उठा सकते हैं, अपने सुझाव दे सकते हैं या किसी की मदद कर सकते हैं। इस मामले में असली जिम्मेदारी मोदी सरकार को निभानी है। इसमें केवल जीआई का टैग लगा देना ही पर्याप्त नहीं होगा।

गौरतलब है कि जीआई यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन या भौगोलिक संकेतक का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिए किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है। किसी उत्पाद को इस खास भौगोलिक पहचान के मिल जाने से उस के उत्पादकों को उसकी अच्छी कीमत मिलती है। 2003 में संसद में जीआई कानून पास हुआ था। भारत की विरासत और पहचान को बचाना और उसे दुनियाभर में प्रसिद्ध करने की कानूनी कवायद इसका खास मकसद है। क्योंकि भारत के मशहूर उत्पादों की नकल कर वैसा ही सामान वैश्विक बाजार में खूब बेचा जा रहा था। इससे देश की धरोहर और विरासत को खतरा महसूस हुआ, जिसके बाद असली उत्पाद की गरिमा को बनाए रखने के लिए जीआई टैग का कानून लाया गया। जीआई टैग वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्री प्रमोशन एंड इंटरनल ट्रेड की तरफ से दिया जाता है। इसका पंजीकरण 10 साल के लिए मान्य होता है। साल 2004 में देश में सबसे पहले दार्जिलिंग की चाय को जीआई टैग मिला था। इसके बाद कम से कम 3 सौ उत्पादों पर जीआई टैग लग चुका है। अल्फांसो आम, बासमती चावल, नागपुर संतरा, कांगड़ा चाय, अलीगढ़ का ताला, मदुराई मल्ली. बनारसी साड़ी, कांचीपुरम सिल्क, चंदेरी साड़ी, मधुबनी पेंटिंग, तिरुपति लड्डू, मैसूर पाक, बीकानेरी भुजिया, हैदराबादी हलीम, मिर्जापुरी दरी, लखनऊ की चिकनकारी, कपडागंडा शॉल, लांजिया सौरा पेंटिंग, कोरापुट काला जीरा चावल, सिमिलिपाल काई चटनी, नयागढ़ कांटेईमुंडी बैंगन, ओडिशा खजूरी गुड़, ढेंकनाल माजी, वांचो लकड़ी शिल्प, आदि केकिर, तंगेल साड़ी, गारद साड़ी, कोरियल साड़ी, कालो नुनिया चावल, सुंदरबन शहद, कच्ची खारेक जैसे कई उत्पादों की खास पहचान सुरक्षित रखने का उपक्रम किया गया है। 2019 में तो ओडिशा और प.बंगाल के बीच रसगुल्ले पर जीआई टैग को लेकर रोचक विवाद भी खड़ा हुआ, जिसमें दोनों प्रांतों ने अपना-अपना दावा इस रसीली मिठाई पर किया।

जीआई टैग लगे इन उत्पादों की सूची भारत की सांस्कृतिक समृद्धि की परिचायक है। इसे हर हाल में संरक्षित करना होगा। देश का विकास बड़े-बड़े फ्लाईओवर, हवाई अड्डे जैसी संरचनाओं से ही नहीं होता है, बल्कि इसमें कोल्हापुरी चप्पल जैसी साधारण लगने वाली चीजों का भी बड़ा योगदान होता है। सरकार इस पर ध्यान दे।

कांग्रेस को 'फिदायीन हमलावरों' से कैसे बचाएंगे राहुल?

कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले गुजरात में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस में ऐसे कई लोग हैं जो गुप्त रूप से भाजपा के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा था कि ऐसे नेताओं को पहचानने और बाहर निकालने की जरूरत है। बाद में यही बात राहुल ने बिहार और मध्य प्रदेश में भी कही। लगभग ऐसी ही बात चालीस साल पहले राहुल के पिता राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष की हैसियत से कही थी।

दिसंबर 1985 में कांग्रेस पार्टी की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर बंबई (अब मुंबई) में आयोजित शताब्दी अधिवेशन में तत्कालीन प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को सत्ता के दलालों से मुक्त कराया जाएगा। राजीव पांच साल तक प्रधानमंत्री और अपनी हत्या होने तक करीब साढ़े छह साल तक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे लेकिन सत्ता के किसी भी दलाल को कांग्रेस से बाहर नहीं कर सके। अलबत्ता अरुण नेहरू जैसे सत्ता के दुर्दांत दलाल जरूर उनके विश्वासपात्र सलाहकार बनकर उनसे उलटे-सीधे फैसले करवाते रहे।

शाहबानो मामले में मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे झुकते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संसद के जरिये पलटने और फिर हिंदू कट्टरपंथियों को संतुष्ट करने के लिए अयोध्या में ताला खुलवाने जैसे विवादास्पद फैसले अरुण नेहरू की ही देन थे, जिनका खामियाजा कांग्रेस ने 1989 के चुनाव में भी भुगता और आज तक भुगत रही है। बाद में अरुण नेहरू जनता दल और विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार में भी मंत्री रहे और उस सरकार के गिरने के बाद भाजपा में शामिल होकर अखबारों में कॉलम लिखने लगे थे, जिसमें वे कांग्रेस के खिलाफ खूब जहर उगलते थे।

अरुण नेहरू के अलावा दूसरे तमाम सत्ता के दलाल पार्टी में जमे रहे- राजीव गांधी के जीवनकाल में और उनके बाद भी। उनका कांग्रेस से बाहर निकलने का सिलसिला 2013 से शुरू हुआ, जब उन्हें लग गया कि अब कांग्रेस सत्ता से बाहर होने वाली है। तब से लेकर अब तक सत्ता के दलालों का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का सिलसिला बना हुआ है।

पिछले बारह वर्षों के दौरान करीब एक दर्जन पूर्व मुख्यमंत्री, दो दर्जन से ज्यादा पूर्व केंद्रीय मंत्री, असंख्य पूर्व सांसद-विधायक और अन्य छोटे-बड़े नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर गले में भगवा पट्टा डाले हुए सत्ता सुख भोग रहे हैं। इसे उनकी 'घर वापसी' भी कह सकते हैं। इसके अलावा भी कई नेता ऐसे हैं जो अभी कांग्रेस में बने हुए हैं लेकिन काम भाजपा के लिए कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों की ओर राहुल गांधी ने गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश में इशारा किया था।

सवाल है कि क्या राहुल ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाने का साहस कर पाएंगे? राजीव गांधी ने जब सत्ता के दलालों को पार्टी से बाहर करने की बात कही थी तब तो कांग्रेस अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में थी। देश के तीन चौथाई से ज्यादा राज्यों में भी उसकी सरकारें थीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री होने के साथ ही पार्टी के भी अध्यक्ष थे और पार्टी पर उनका पूरी तरह नियंत्रण था। इसके बावजूद वे किसी भी नेता की सत्ता के दलाल के तौर पर शिनाख्त कर उसे पार्टी से बाहर नहीं कर पाए थे।

अनिल जैन

> जैसे ही राहुल गांधी ने भाजपा के दलालों को पहचानने और उन्हें कांग्रेस से बाहर करने की बात कही, वैसे ही पार्टी के कुछ बुद्धिजीवीनुमा लोगों ने उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन को तोड़ने और भाजपा की राह आसान करने के लिए एक अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पचास साल पुराने आपातकाल का औचित्य साबित करने की कोशिश की जा रही है।

अब तो हालात बिल्कुल अलग हैं। चूंकि पार्टी पिछले एक दशक से केंद्र सहित ज्यादातर राज्यों में सत्ता से तो बाहर है, इसलिए शीर्ष नेतृत्व की पार्टी संगठन पर पकड़ भी बेहद कमजोर है। नेतृत्व की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए पार्टी में कई लोग हैं जो अलग-अलग स्तरों पर विभिन्न तरीकों से पार्टी की जड़ें खोदने का काम खुल कर करते हैं और मौका आने पर पार्टी नेतृत्व को आंखें भी दिखाते हैं। इस समय पार्टी का एक समूह ऐसा ही कर रहा है।

जैसे ही राहुल गांधी ने भाजपा के दलालों को पहचानने और उन्हें कांग्रेस से बाहर करने की बात कही, वैसे ही पार्टी के कुछ बुद्धिजीवीनुमा लोगों ने उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन को तोड़ने और भाजपा की राह आसान करने के लिए एक अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पचास साल पुराने आपातकाल का औचित्य साबित करने की कोशिश की जा रही है। सब जानते हैं कि आपातकाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के इको सिस्टम का प्रिय मुद्दा है, जिसके सहारे वे मौके-बेमौके कांग्रेस पर हमला करते रहते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि आपातकाल का औचित्य साबित करने का जो अभियान शुरू हुआ है, उससे किसे फायदा होगा!

पिछले दस सालों के दौरान 'आरएसएस एंड संस' के तत्वावधान में गांधी और नेहरू का पर्याप्त रूप से चरित्र हनन हो चुका है और वामपंथियों को तो वे पहले ही देश का शत्रु घोषित कर चुके हैं। अब बचे हैं समाजवादी आंदोलन के प्रतीक पुरुष जयप्रकाश नारायण (जेपी) तथा डॉक्टर राममनोहर लोहिया, जिनका चरित्र हनन वह खुद नहीं करना चाहते, इसलिए उनके रणनीतिकारों ने यह जिम्मा भी आपातकाल के इन नवजात कांग्रेसी आशिकों को सौंपा है। इस जिम्मेदारी को भी कांग्रेस से जुड़ी यह मंडली पूरे उत्साह से निभाने में जुटी है। दलीय राजनीति से दूर जो समाजवादी कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार मौजूदा सरकार के तानाशाहीपूर्ण कृत्यों के विरोध में कांग्रेस का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष सहयोग कर रहे हैं, उन्हें चिढ़ाने और उकसाने के लिए जेपी-लोहिया जैसे भारत छोड़ो आंदोलन के महानायकों और भारतीय समाजवादी आंदोलन के शिखर पुरुषों को बिना किसी सबूत के सीआईए का एजेंट, देशद्रोही और इजरायल का समर्थक बताया जा रहा है।

लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति आलोचना से परे नहीं हो सकता। किसी बात के लिए महात्मा गांधी की भी आलोचना हो सकती है और नेहरू-पटेल व जेपी-लोहिया की भी, लेकिन उसका कोई तार्किक आधार तो होना चाहिए। मगर आपातकाल के इन नवजात आशिकों को इससे कोई मतलब नहीं। इन्हें किसी ने रटा दिया है कि 1967 में लोहिया ने और 1974 में जेपी ने आरएसएस और जनसंघ की मदद लेकर इन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की जिससे ये ताकतवर हो गए और आज देश भर में सत्ता पर काबिज हैं। इन लोगों के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि 1984 में दो सीटों पर सिमटने के बाद भाजपा को मिली ताकत के लिए कौन जिम्मेदार है? शाहबानो मामले में मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकने, हिंदू कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए अयोध्या का ताला खुलवाने और मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध करने जैसे आत्मघाती फैसलों के लिए कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए क्या जेपी और लोहिया आए थे?

अपनी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 1974 में शुरू हुए आंदोलन को कुचलने के लिए देश पर आपातकाल थोपने वाली इंदिरा गांधी ने 1980 में सत्ता में वापसी करने के बाद आपातकाल लागू करने को अपनी गलती मान लिया था। आपातकाल के दौरान हुईं ज्यादतियों के लिए भी उन्होंने खेद जताया था। उनके बाद हुए कांग्रेस के तीन अन्य प्रधानमंत्रियों और 22 साल तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने भी आपातकाल को गलत माना, लेकिन कांग्रेस के भीतर रातों-रात पैदा हुए आपातकाल के नवप्रसूत आशिक पूरी बेशर्मी के साथ आपातकाल के महिमामंडन में जुटे हैं।

इन लोगों के बारे में एक तथ्य यह है कि ये लोग मौजूदा अघोषित आंदोलन के बारे में कभी मुंह नहीं खोलते बल्कि पुराने आपातकाल का औचित्य साबित कर प्रकारांतर से मौजूदा अघोषित आपातकाल को भी सही मानते हैं। राहुल गांधी पिछले लंबे समय से कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार हासिल करने के लिए सामाजिक न्याय के मुद्दे को शिद्दत से उठा रहे हैं। वे सांप्रदायिक ताकतों और सरकार की मदद से देश के संसाधनों को लूट रहे बेईमान उद्योग घरानों को सीधे-सीधे ललकार रहे हैं। मगर इन मुद्दों में कांग्रेस के इन आपातकाल प्रेमियों की कोई रूचि नहीं है। वजह साफ है कि ये कहीं और से निर्देशित होते हुए आपातकाल की जय-जयकार और जेपी-लोहिया के लिए धिक्कार मंत्र का जाप कर रहे हैं।

इन लोगों का यह अभियान सीधे-सीधे राहुल गांधी को चुनौती है। अब राहुल को तय करना होगा कि वे कांग्रेस में घुसे इन नागपुरी फिदायीन हमलावरों की चुनौती से कैसे निबटते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बिहार में नये मतदाता मानदंड लागू करना एनआरसी लाने का संकेत

■ **डॉ. ज्ञान पाठक**

बिहार में चुनाव 22 नवंबर, 2025 को विधानसभा की अवधि समाप्त होने से पहले होने हैं। सभी राजनीतिक दल इस महाचुनावी लड़ाई की जोरदार तैयारी कर रहे हैं। बिहार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चुनावी लड़ाई रही है। खबरों में बताया गया है कि पार्टी ने बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 200 या उससे अधिक चुनावी रैलियां कराने की योजना बनायी है। इसलिए भारत के चुनाव आयोग के पास पिछले एक दशक में किसी भी अन्य चुनाव की तुलना में बिहार चुनाव को अधिक गंभीरता से लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

इसी सामान्य संदर्भ में भारत के चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का निर्देश दिया है, जो 1 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। पिछला गहन पुनरीक्षण1 जनवरी, 2003 की निर्धारित तिथि को आधार मानकर किया गया था। इसका मतलब है कि मतदाता सूची नये सिरे से तैयार की जायेगी और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए, एक नागरिक, खासकर वे लोग जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं था, उन्हें अपनी नागरिकता साबित करनी होगी।

> ईसीआई ने कहा है कि सभी मतदाताओं को एक गणना फॉर्म जमा करना होगा और 2003 के बाद पंजीकृत लोगों को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और कार्यक्रम के अनुसार अपनी नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज भी देने होंगे। एक नया घोषणा पत्र जोड़ा जायेगा जिसमें नागरिकता के प्रमाण की आवश्यकता होगी। इससे पहले, ईसीआई के फॉर्म 6 में आवेदक द्वारा यह घोषणा करना पर्याप्त था कि वे नागरिक हैं।

ईसीआई ने कहा है कि सभी मतदाताओं को एक गणना फॉर्म जमा करना होगा और 2003 के बाद पंजीकृत लोगों को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और कार्यक्रम के अनुसार अपनी नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज भी देने होंगे। एक नया घोषणा पत्र जोड़ा जायेगा जिसमें नागरिकता के प्रमाण की आवश्यकता होगी। इससे पहले, ईसीआई के फॉर्म 6 में आवेदक द्वारा यह घोषणा करना पर्याप्त था कि वे नागरिक हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि रोल का 'विशेष गहन पुनरीक्षण' या एसआईआर, अंततः सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा। बिहार में अंतिम संशोधित मतदाता सूची 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की जायेगी।

यह चुनाव आयोग के निर्णय को सबसे विवादास्पद बनाता है, क्योंकि हम असम में पहले ही देख चुके हैं कि न केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए, बल्कि वास्तविक भारतीय नागरिकों के लिए भी नागरिकता साबित करना कितना मुश्किल था। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के प्रारंभिक मसौदे में 40 लाख लोगों को बाहर रखा गया था, और अंतिम सूची में 19 लाख लोगों को बाहर रखा गया, क्योंकि वे अपनी नागरिकता साबित नहीं कर सके, हालांकि 1971 कटऑफ वर्ष था। 2018 में पहली सूची आने और 2019 में अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद भी यह मुद्दा हल नहीं हुआ है।

यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य की याद दिलाता है कि बिहार की 2025 की संशोधित मतदाता सूची से लाखों लोगों को हटा दिया जायेगा, जिसे बस कुछ महीनों के भीतर तैयार किया जाना है। चुनाव आयोग मतदाता को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए सीमित समय देगा, जो वह नहीं कर सकता, जैसा कि असम के अनुभव ने पहले ही दिखा दिया है।

इसके अलावा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि बिहार में 2003 के बाद पैदा हुए सभी लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र तक नहीं है। जनसंख्या अनुसंधान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में जन्म पंजीकरण दर 2018 में केवल 80.3 प्रतिशत तक पहुंच पाई थी। इसका मतलब है कि लाखों लोग अपना जन्म प्रमाण पत्र भी नहीं दे पायेंगे, और इसलिए संशोधित मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं।

ईसीआई स्पष्ट रूप से पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से प्रभावित है, जो एनआरसी की राजनीति कर रही है। संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने की अनुमति देने के लिए 'नागरिकता साबित करना' शर्त के रूप में, मतदाता सूची के विशेष संशोधन के नाम पर एनआरसी का अप्रत्यक्ष कार्यान्वयन है। चूंकि नागरिकता साबित करना एक विवादास्पद मामला है, इसलिए ईसीआई को इसे शर्त के रूप में नहीं रखना चाहिए था, जब तक कि यह मुद्दा हल न हो जाये।

मोदी सरकार की ओर से नागरिकता के मुद्दे को लेकर ईसीआई का कदम न केवल यह दर्शाता है कि ईसीआई से समझौता किया गया है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि पूरे भारत के लिए एनआरसी का निर्माण और रखरखाव मोदी सरकार के कार्ड पर है। इस संदर्भ में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का बयान ध्यान देने योग्य है। उन्होंने कहा कि संशोधन के कारण ग्रामीण लोग बाहर रह जायेंगे। उन्होंने कहा, 'और फिर आप सूची बढ़ाने के लिए 'उधार लिए गए मतदाताओं' के नाम शामिल करेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप हार रहे हैं। सिर्फइसलिए कि आप हार रहे हैं, आप दूसरे राज्यों के नाम जोड़ देंगे। यह एनआरसी से भी ज़्यादा ख़तरनाक है।'

ध्यान रहे कि पश्चिम बंगाल में अगले साल चुनाव होने वाले हैं। ममता ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलकर काम करने और 'नए मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया की आड़ में बंगाल और उसके लोगों', ख़ास तौर पर बंगाल के युवाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए एक घोषणा पत्र पेश किया है। 1 जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे लोगों के लिए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र के साथ एक नया घोषणा पत्र जमा करना होगा। ईसीआई का कहना है कि माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा करने होंगे। पूर्ण गणना के नाम पर क्या चल रहा है? यह ईसीआई का एक दस्तावेज और घोषणा पत्र है। इसमें कई अनियमितताएं हैं।'

यहां 'मतदाता सूची में हेराफेरी' के आरोप का उल्लेख किया जा सकता है जो प्रथम दृष्टया संभव प्रतीत होते हैं, और यह भाजपा और एनडीए के पक्ष में जा सकता है, जैसा कि विपक्षी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र में कथित तौर पर ऐसा करने का आरोप लगाया गया है।

कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग के नये कदम का विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझ कर बाहर किये जाने का जोखिम है, और उसने इसे 'धूर्ततापूर्ण' करार दिया।

चूंकि चुनाव आयोग ने पहले ही कहा है कि बिहार से शुरू करके पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जायेगा, इसलिए हम यह मान सकते हैं कि ऐसी सभी कवायदों में नागरिकता के प्रमाण की शर्त होगी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में यह एक नयी बात है, जिसके लिए चुनाव आयोग ने नये नियम और दिशा-निर्देश बनाये हैं, लेकिन मतदाताओं को उनका पालन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया है। यह चुनाव आयोग का पूरी तरह से अलोकतांत्रिक रवैया है।

इस मुद्दे ने पहले ही बिहार में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, और इसका असर अन्य राज्यों पर भी पड़ने की संभावना है। बुधवार को पटना में बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ राजनीतिक दलों की बैठक में राजद, कांग्रेस, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन, सीपीआई और सीपीआई (एम) सहित इंडिया ब्लॉक के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से एसआईआर को खारिज कर दिया, तथा इसे गरीब, ग्रामीण और अल्पसंख्यक मतदाताओं को बाहर करने की चाल बताया।

ललित सुरजन की कलम से

मोदी सरकार : तीस दिन

'घरेलू मोर्चे पर गृहमंत्रालय ने हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के बारे में जो परिपत्र जारी किया उसने एक अनावश्यक विवाद को जन्म दिया। इसके पहले उनके मंत्री जनरल वी.के.सिंह, नजमा हैपतुल्ला और डॉ.जितेन्द्र सिंह ने जो बयानबाजी की उनसे भी सरकार के भावी इरादों को लेकर वृहत्तर समाज में चिंता का वातावरण बना। अभी दो दिन पहले गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने आईपीएस में भर्ती के नियमों को शिथिल करने की वकालत की है उसका असली उद्देश्य क्या है यह समझ नहीं आया हैं। इसी मंत्रालय में सफाई अभियान के नाम पर डेढ़ लाख पुरानी फाइलें नष्ट कर दी गई। यह खबर चौंकाने वाली है। हमारे देश में दस्तावेजीकरण के प्रति अनादिकाल से अवज्ञा भाव रहा है इससे कई मामलों में भ्रम पैदा होता है। आज की व्यवस्था में यह अनुकरणीय नहीं है। सरकार ने यह नहीं बताया कि कौन सी फाईलें नष्ट की गई हैं और इस तरह पारदर्शिता की अवहेलना हुई है।'

(देशबन्धु में 27 जून 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/06/blog-post_26.html

पावन प्रसंग

शांति का जन्मदाता भारत

शांति का प्रसार करना ही सदा से भारत का आदर्श रहा है तथा इस निमित्त आज भी समाज को आगे आने एवं अपनी प्रतिभा का परिचय देने की आवश्यकता है। यदि समाज इस सत्य के प्रति जाग जाए कि भीतर की शांति को बाहरी क्रियाकलापों से नहीं खरीदा जा सकता है एवं एक बार यदि वह मिल जाए, तो फिर बाहर उसके लिए भटकना भी नहीं पड़ता, मात्र इतनी सी बात लोगों को यदि समझ आ जाए तो क्रांति का बिगुल बजते देर नहीं लगेगी।

इंसान की मान्यताओं में उसके चालचलन के ढंग में एवं उसकी सभी सुविधाओं एवं अभिरूचियो में आश्चर्यजनक परिवर्तन आ जाता है, जब वह इस केन्द्रीय सत्य को समझ ले कि उसका जीवन किसी उच्चतर शक्ति के द्वारा कार्यशील है एवं उसे मात्र अपने को एक साधन के रूप में प्रयुक्त करना है। यही आध्यात्मिकता है, इसके अलावा आध्यात्मिकता का कोई सूत्र नहीं, कोई पैमाना नहीं।

आध्यात्मिक व्यक्ति मात्र इस आंतरिक चाल के अनुसार ही चल पाता है तथा उसका हर प्रयोजन दिव्यता की दिशा में, स्वयं को ऊंचा उठाकर, इस जगत की सेवा में लगने योग्य होता है। भारतीय चिंतन पद्धति इसी एक सत्य का प्रतिनिधित्व करती है एवं हरेक ग्रंथ में हमें यही बात देखने को मिलेगी कि सत्य किसी व्यक्ति से अनछुआ नहीं, मात्र सत्य के प्रति ग्रहणशीलता को बढ़ाने की दिशा में बढ़ना होता है।

दर्शन की किसी भी शाखा को देख लीजिए, उपनिषदों का कोई भी उदाहरण ले लीजिए, भगवद्गीता के सार को ग्रहण करिए या बुद्ध, महावीर, नानक की सीख को ही ले लीजिए। आप देखेंगे कि ये सब एक अकाट्य सत्य की और हमारे ध्यान को ले चलते हैं। वह यह कि जीवन का स्रोत आपके भीतर ही है तथा बाहर जिस भी चीज को आप ढूंढने चलेंगे वह या तो आपके अज्ञान का विस्तार होगा या आपको प्रज्ञा का प्रकटीकरण तथा जीवन को किस दृष्टि से देखना चाहिए, यह वह भीतर वाला स्रोत ही आपको बताएगा, न कि आपके मन की विविध वृत्तियां या आपके सोचने-समझने का प्रचलित ढंग।

इसी तथ्य को जब दूसरे तरीके से हम समझते हैं तो कह देते हैं कि यह संसार माया है, परंतु माया से तात्पर्य किसी अनजान भूल भुलैया से नहीं, बल्कि इस संसार में मिट जाने की आपकी ललक से. आपके स्वार्थ एवं अहंकार से है। भारत की भूमि पर जब यह आध्यात्मिक चिंतन विकसित हो रहा था, तब ऋषियों ने जिन वेद ऋचाओं का उच्चारण किया, वे कहीं से ढूंढ नहीं ली गई थीं, बल्कि प्रकृति में व्याप्त उस विराट ब्रह्म की ऊर्जा तरंग को स्पर्श कर, वे स्वयमेव उस सत्य के उद्घाटक बन गए, जो कि जीवन की परिपूर्णता का संदेश लेकर, उनके समक्ष प्रस्तुत हुआ था।

आधुनिक समय में जब विवेकानंद उन ऋषियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो वे उस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने, उसकी अलौकिक आभा का विस्तार करने एवं उसे एक नया आयाम देने को चल पड़ते हैं। वे उसे वेदांत की भाषा में, भारतीय दर्शन की उच्चतम प्रतिच्छाया के रूप में, समस्त विश्व को एकरूप करने वाली विचारधारा के संदर्भ में प्रयुक्त करते हैं एवं भारत समेत विश्व की जनता उनकी अद्भुत गुण-मेधा की स्वीकार, एक नए ही रंग-रूप में प्रतिभाषित होती है।

यही अध्यात्म का उच्चतम चिंतन कुछ वर्षों बाद योगीराज अरविंद, पूज्य गुरुदेव एवं रमन महर्षि की साधना पद्धतियों के रूप में मुखरित होता है एवं भविष्य में इसके और भी बड़े परिमाण में विकसित होने एवं तदनुरूप जन-जन की आवाज बनने की दिशा के आसार हैं। यही आध्यात्मिक चिंतनशैली भारत की विश्व को अमूल्य धरोहर है तथा इसे ही संरक्षित करना वर्तमान युग में हम सब का कर्तव्य है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

अज्ञानता को एक श्राप मानकर छुटकारा पा लेना चाहिये

विकास के मानक क्या हो? इस विषय में सर्वदा मतभेद रहे हैं। सामन्यतया दैनिक आवश्यकताओं की व्यवस्थित संपूर्ति को विकास मान लिया जाता है। साफ सुधरी सड़के, भवन, बांध नहरें, लहराते खेतों को विकास का पर्याय स्वीकार किया जाता है किन्तु क्या यह सब होकर भी कोई व्यक्ति वस्तुत: पूर्ण विकसित हो गया है? यदि उस में जीवन विज्ञान नहीं है सच्चरित्र और दुष्चरित्र की व्याख्याएं उसे उपलब्ध नहीं है। पशु की तरह मात्र उपभोक्ता बन कर जीता रहे तो क्या हम उसे पूर्ण विकसित मानव कह सकते हैं? स्पष्ट है कि यह इतना सब कुछ मौलिक वैभव पाकर भी जब तक उसे आत्मज्ञान नहीं है यह एक अन्धकार में है। अज्ञानता अन्धकार ही है। इस अन्धकार का निराकरण ज्ञान साधना से ही संभव है। अन संपत्ति और भौतिक उपादान उस अज्ञानता को तनिक भी कम नहीं कर सकते। अज्ञान दशा में भौतिक समृद्धि और अधिक अहंकार का साधन बन कर मानव को विकृत कर देती है। वस्तुत: अज्ञानता एक अपराध है। किन्तु अज्ञात दशा में जीने वले को यह समझ में नहीं आएगा। उसे यह समझ देनी होगी। प्रत्येक ज्ञानवान व्यक्ति सद्गुरु और सरकार सभी ऐसा प्रयत्न करे कि अज्ञानी को अज्ञान उपाय प्रतीत हो। सरकार को भी चाहिये कि वह जैसे अन्य अपराधों को समाप्त करने का प्रयास करती है वैसे ही अज्ञानता को अपराध मानकर एक पाप मानकर राष्ट्र को उससे मुक्ति दिला ने का प्रयत्न करें।

देश में अज्ञानता यदि विद्यमान रहती है और फलती फूलती है तो विकास की सारी योजनाएं व्यर्थ चली जाएगी। अज्ञानता में किसी साधन के सदुपयोग का प्रश्न ही नहीं। भारत में विदेशों से अपार घन आया। विकास की अनेकानेक योजनाएं देश में प्रारम्भ हुई घन का व्यय भी हो गया। भारत कर्ज के पहाड़ के नीचे दब गया था किन्तु विकास की गति कैसी रहीं। किसी भी विदेशी से समीक्षा करा कर देख लीजिये विकास के नाम पर जो हुआ वह राष्ट्र की विशालता की तुलना में बहुत ही अल्प था और जो विकास हुआ भी तो वह उपयोगी कितना रहा? कहने की आवश्यकता नही कि देश में फैली हुई व्यापक अज्ञानता ने विकास के चक्र की गति ही रोक कर रख दी थी।आज समुच्चित विकास की दौड़ में भारत हर क्षेत्र में आगे है।इसको अज्ञानता के वशीभूत नही कहा जा सकता है।देश मे जो भी उपार्जन हुआ है।उसके पीछे ज्ञानवान बुद्धिजीवी लोगो की टीम लगी है। इनके द्वारा उनकी सोच की वजह से भारत स्थिर बन गया है।आज विश्व को टक्कर देने वाली आर्थिक स्वावलंबन और इंफ्रास्ट्रक्चर में सबसे आगे बढ़ने वाले भारत ने पीछे मुड़कर नही देखा।यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है।

- कांतिलाल मांडोत,सूरत

खेल जगत

दिव्यांशी ने ताशकंद में अंडर-15 एशियाई युवा चैम्पियन का खिताब जीता

कोलकाता। दूसरी वरीयता प्राप्त क दिव्यांशी भौमिक ने ताशकंद के हुमो एरिना में आयोजित 29वीं एशियाई युवा चैंपियनशिप 2024 में अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स में चीन की झू किही को 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक के साथ यादगार जीत दर्ज की। नॉकआउट चरण में चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत के साथ दिव्यांशी ने न केवल खुद को एशियाई चैंपियन का खिताब दिलाया, बल्कि नवंबर में रोमानिया में होने वाली विश्व युवा चैंपियनशिप के लिए सीधे स्थान भी हासिल किया। उनके स्वर्ण पदक ने चैंपियनशिप में भारत के शानदार अभियान का समापन किया, जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल थे। सात गेम के कड़े सेमीफाइनल में लियू जिलिंग को हराने के बाद, आत्मविश्वास से भरी दिव्यांशी ने किही के खिलाफ मजबूत शुरुआत की और अपने तीसरे गेम पॉइंट पर पहला गेम जीत लिया।

सीरीज बराबरी पर लाना चाहेगी टीम इंडिया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 1 जुलाई (देशबन्धु)। तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पूरी तरह फिट और उपलब्ध होने के बावजूद भारत उनके वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते मौजूदा पांच टेस्ट की सीरीज के तीन टेस्ट में खेलने के कारण लीडस में पहला टेस्ट हार 0-1 से पिछड़ रहा उन्हें एजबेस्टन, बर्मिंघम में बुधवार को एकादश में शामिल करने को लेकर असमंजस में है। भारत के सहायक कोच रेयन टेन दोइत्श ने एजबेस्टन

■ भारत दूसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश को लेकर असमंजस में

■ ऋषभ को शतक को दोहरे टेस्ट शतक में बदलने की कोशिश करनी चाहिए

■ बुमराह को एकादश में शामिल करने का फैसला टेस्ट से ठीक पहले

■ भारत के निचले क्रम को भी बल्ले से धमाल करना होगा

टेस्ट के शुरू होने से पहले कहा कि बेशक खेलने को तैयार है लेकिन उन्हें एकादश में शामिल करने का फैसला एजबेस्टन में बुधवार को दूसरा टेस्ट शुरू होने से ठीक पहले लेंगे। भारत दूसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश को लेकर असमंजस में है जबकि इंग्लैंड ने भारत को पहले टेस्ट में पांच विकेट से हराने वाली एकादश ही बरकरार रखी। भारत को एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में बराबरी करनी है तो फिर कुछ कड़े फैसले लेने होंगे। भारत ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में एक भी टेस्ट नहीं जीता है जबकि मेजबान इंग्लैंड ने इस मैदान पर 2015 से अपने छह में तीन टेस्ट जीते हैं। भारत के पास एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट जीत नया इतिहास लिखने का मौका है। ऐसे में भारत के पूर्व ऑफ स्पिन टेस्ट ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन का यह सुझाव भी खासा अच्छा है कि ऋषभ पंत को अपने पहले टेस्ट के शतक को आगे सीरीज में दोहरे शतक में बदलने की कोशिश करनी चाहिए। पहले टेस्ट में दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए ख्यात ऋषभ पंत ने दूसरी पारी के शुरू में और फिर शतक के करीब पहुंच जिस तरह का रक्षण दिखाया वह इस बात को दर्शाता है कि वह चाहे तो क्रीज पर टीम की जरूरत के मुताबिक लंगर डाल कर खेल सकते हैं। भारत के निचले क्रम को दूसरे टेस्ट में दम दिखाने की जरूरत है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने जिस तरह पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को सस्ते में आउट किया। इंग्लैंड उससे उनके खिलाफ जीवट दिखा 30 -30 और 40 -40 रन की छोटी छोटी भागीदारियां भारत के लिए आगे बेहद कारगर साबित को सकती है। एजबेस्टन मे दूसरे टेस्ट के पहले, तीसरे व चौथे दिन बारिश की आशंका के चलते खेल बाधित हो सकता है। ऐसे में पिच की नमी का लाभ उठाने के लिए भारत को चार तेज गेंदबाज चाहिए और कैसी भी पिच पर कलाई से तेजी से गेंद को स्पिन कराने के कौशल कुलदीप यादव भारत के लिए वाकई तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारत के सहायक कोच ने दूसरे टेस्ट में भारत के दो स्पिनरों के साथ उतरने के संकेत दिए हैं। ऐसे में भारत के सामने बड़ा सवाल यह रहेगा कि वह लेग स्पिनर कुलदीप यादव के साथ बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और में भारत किस एक को उतारे। रवींद्र जडेजा के तीनों स्पिनरों में टेस्ट में बेहतर बल्लेबाज होने के कारण उन्हें भारत दूसरे टेस्ट की एकादश से बाहर रखने की तो नहीं ही सोचेगा। दरअसल लीडस में पहले टेस्ट में भारत अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के पांच शतकों के बावजूद पहली पारी में एक समय तीन विकेट पर 430 रन बनाने के आखिरी सात विकेट विकेट मात्र 41 रन पर गंवा 471 रन और दूसरी पारी में पांच विकेट पर 333 रन बना आखिरी पांच विकेट मात्र 31 रन पर खो 364 रन बनाकर आउट हो गया था।

इंग्लैंड ने एजबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए आर्चर को टीम में नहीं चुना

बर्मिंघम। जोफ्रा आर्चर का टेस्ट क्रिकेट में वापसी का इंतजार और बढ़ गया है, क्योंकि इंग्लैंड ने बुधवार को एजबस्टन में भारत के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए बिना किसी बदलाव के प्लेइंग इलेवन उतारने का फैसला किया है। आर्चर को 2021 के बाद पहली बार इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन टीम ने उसी प्लेइंग इलेवन पर भरोसा बनाए रखने का फैसला किया है, जिसने उन्हें हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ सीरीज का पहला मैच जिताया था।पिछले हफ्ते हेडिंग्ले में शुरुआती टेस्ट में इंग्लैंड की रोमांचक पांच विकेट की जीत के बाद आर्चर को टीम में शामिल किया गया था। अब तक, उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 टेस्ट खेले हैं और 31.04 की औसत से 42 विकेट लिए हैं। लेकिन कोहनी की चोट और पीठ में तनाव फ्रैक्चर की पुनरावृत्ति का मतलब था कि आर्चर फरवरी 2021 के बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट खेलने से काफी हद तक दूर रहे। 30 वर्षीय आर्चर पारिवारिक आपात स्थिति के कारण सोमवार को इंग्लैंड के प्रशिक्षण सत्र में भी शामिल नहीं हो पाए और दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए मंगलवार को टीम में शामिल होंगे। हेडिंग्ले में पिछले सप्ताह के टेस्ट में इंग्लैंड ने भारत के पांच शतकों के बावजूद पांच विकेट से जीत के लिए 371 रनों का पीछा किया और पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी श्रृंखला 1-0 से आगे कर दी।

टेस्ट सीरीज में वापसी के लिए टीम इंडिया तुरंत करे पलटवार : शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए मैसेज भेजा है। शास्त्री ने कहा कि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को पांच मैचों की सीरीज में वापसी के लिए तुरंत जवाबी हमला करना होगा। टीम इंडिया को पूरे मैच में दबदबा बनाए रखने के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू से कहा कि भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह तुरंत जवाबी हमला करे। जब आप इस तरह का टेस्ट मैच हारते हैं, एक ऐसा मुकाबला जिसमें आप ज्यादातर समय हावी रहते हैं और फिर आखिरी दिन हार जाते हैं। इंग्लैंड को अपना संयम बनाए रखने के लिए पूरा क्रेडिट मिलता हैं। ऐसे में सीरीज में वापसी करने के लिए बहुत अधिक जज्बे की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा कि अभी भी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने पर सवाल बना हुआ है, क्योंकि उनके वर्कलोड को मैनेज किया जा रहा है, जबकि टीम इस बात पर भी विचार कर रही है कि स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की मदद के लिए दूसरे स्पिनर को टीम में शामिल किया जाए, या नहीं। शास्त्री ने कहा कि अब, बुमराह खेलेंगे या नहीं, यह तो कोई नहीं जानता। लेकिन उम्मीद करते हैं कि वह खेलेंगे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है। सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। बस आपको एक बार में एक मैच पर ध्यान देना है। यह पांच मैचों की सीरीज है। भारत वापसी की उम्मीद कर रहा होगा। रवि शास्त्री का मानना है कि टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने सीरीज के पहले मैच में भारत की हार से बहुत कुछ सीखा होगा।

वैभव सूर्यवंशी की तेज पारी भारत के काम न आई

रेव के शतक से इंग्लैंड अंडर-19 ने एक विकेट से जीत के साथ सीरीज में बराबरी पाई

■ रेव ने 89 गेंद खेली, छह छक्के और 16 चौके जड़े

नई दिल्ली, 1 जुलाई (देशबन्धु)। 14 बरस के वैभव सूर्यवंशी की मात्र 34 गेंदों पर तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से खेली 45 रन की तूफानी पारी भारत अंडर 19 टीम के काम न आई। विकेटकीपर बल्लेबाज थॉमस रेव की 131रन की तूफानी पारी की बदौलत इग्लैंड अंडर 19 ने भारत अंडर 19 को नॉर्थम्टन मे दूसरे यूथ वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैच में मात्र तीन गेंदों के बाकी रहते सोमवार रात एक विकेट से हरा कर पांच मैचों की सीरीज में एक एक की बराबरी दिला दी। रेव ने 89 गेंद खेली अर छह छक्के और 16 चौके जड़े। रेव ने मात्र 73 गेंदो शतक जड़ कर बेन फॉक्स के इंग्लैड अंडर 19 टीम के लिए न्यूजीलैंड अंडर 19 के खिलाफ मात्र 79 गेंदों में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 45, विहान मल्होत्रा (49 रन, 68 गेंद छह चौके), राहुल कुमार (47 रन, 47 गेंद, एक छक्का, छह चौके), कनिष्क चौहान (45 रन, 40 गेंद, छह चौके) की बढ़िया पारियों के बावजूद भारत अंडर 19 टीम ने पहले बल्लेबाजी की दावत पर 49ओवर मे 290 रन बनाकर आउट हो गई। जवाब मे थॉमस रेव के तूफानी शतक और 21 ओवर में रॉकी फ्लिंटॉफ (39 रन, 68 गेंद, चार चौके)की बदौलत चौथे विकेट की 123 रन की इंग्लैंड अंडर 19 टीम ने 49.3ओवर मे नौ विकेट खोकर 291 रन बनाकर मैच जीत लिया। इंग्लैंड अंडर 19 ने पारी क आखिर में जल्दी जल्दी कई विकेट खोए और उसे आखिरी ओवर शम जीत के लिउ सात रन बनाने थे सेब मॉर्गन ने धैर्य बनाए रखा और चौका लगा तीन गेंद व एक विकेट के बाकी रहते अपनी टीम को जीत दिला दी। तेज गेंदबाज आर एस अंबरीश (4/80) भारत 19 के सबसे कामयाब तेज गेंदबाज रहे जबकि तेज गेंदबाज हीनल पटेल व युद्धजीत गुहा ने दो दो तथा कनिष्क चौहान ने एक विकेट लिया। भारत अंडर 19 के लिए वैभव सूर्यवंशी ने लगातार दूसरे मैच में इंग्लैंड अडर19 टीम के गेंदबाजों की धुनाई कर 45 रन की तूफानी पारी खेल अपनी टीम को बड़े स्कोर तक पहूंचाया।

हॉकी : यूरोप दौरे पर इंडिया-ए की कमान संभालेंगे संजय

■ इंडिया-ए टीम आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (देशबन्धु)। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यूरोप के आगामी दौरे के लिए इंडिया-ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 8 से 20 जुलाई तक चलेगा। भारत के इस यूरोप दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले जाएंगे, जिसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है। इंडिया-ए टीम आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि उसे इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलना है। 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रभावित किया है। इंडिया-ए टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह उप-कप्तान होंगे। भारत की टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार और डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्डर्स में पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं, जबकि फॉरवर्ड लाइन-अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह हैं।स्टैंडबाय खिलाड़ियों की लिस्ट में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको शामिल हैं। यूरोप के दौरे पर टीम को शिवेंद्र सिंह ट्रेनिंग देंगे, जो पुरुष टीम के असिस्टेंट कोच भी हैं। शिवेंद्र सिंह बेहद अनुभवी हैं। वह आक्रामक खेल पर खासा ध्यान देते हैं। यह दौरा हॉकी इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय हॉकी सितारों की अगली पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका देना है।

यूरोप दौरे के लिए भारत-ए की टीम

गोलकीपर: पवन, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडर: प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, संजय (कप्तान) और प्रमोद।

मिडफील्डर: पूवन्ना चंदुरा बॉबीमोहम्मद राहील मौसीन, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह (उप-कप्तान), विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह।

सार संक्षेप

टॉसन से हार के बाद वॉटसन विंबलडन से बाहर

लंदन। हीथर वॉटसन की विंबलडन की उम्मीदें पहले दौर में ही खत्म हो गईं, क्योंकि पूर्व ब्रिटिश नंबर एक खिलाड़ी को 23वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन ने हरा दिया। वॉटसन ने पहला सेट जीतकर शानदार शुरुआत की थी, लेकिन डेनमार्क की टॉसन ने वापसी करते हुए आज 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। वॉटसन, जो सिर्फ तीन साल पहले चौथे दौर में पहुंची थीं, की शुरुआत खराब रही, जब उनकी सर्विस तीसरे गेम में ही टूट गई। लेकिन इससे पूर्व ब्रिटिश नंबर दो खिलाड़ी के लिए शानदार शुरुआत हुई, क्योंकि उन्होंने पहला सेट जीतने के लिए लगातार पांच गेम जीते। शुरुआत में टॉसन के पास अपनी प्रतिद्वंद्वी का कोई जवाब नहीं था, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और दूसरे सेट में मजबूती से वापसी की।

अगस्त में भारत का बांग्लादेश दौरा अभी निश्चित नहीं

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने कहा है कि बीसीसीआई ने अब तक भारत के बांग्लादेश दौरे की पुष्टि नहीं की है, जो अगस्त में होना है। उनके अनुसार बीसीसीआई इस दौरे पर फैसला भारतीय सरकार से चर्चा के बाद लेगा। अमिनुल ने ढाका में बीसीबी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की छह घंटे लंबी बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में कहा कि मैंने बीसीसीआई से बात की है और चर्चाएं सकारात्मक रही हैं। हम आशावान हैं। यह सीरीज (अगले महीने) निर्धारित है लेकिन वे (भारत) अपने सरकार के कुछ निर्णयों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगर भारत अगस्त में नहीं आ पाता है, तो वे अगली उपलब्ध विंडो में बांग्लादेश का दौरा करेंगे। बीसीसीआई ने बीसीबी को ऐसा वादा किया है। हालांकि इस दौरे को लेकर अनिश्चितता क्यों बनी है, इसका कोई कारण नहीं बताया गया। अमिनुल ने कहा कि बातचीत चल रही है। अगर किसी कारणवश वे अगस्त में नहीं आ पाते हैं, तो वे अगली उपलब्ध विंडो में यहां आएंगे। हालांकि हम इसी विंडो में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।

मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे जायसवाल

मुंबई। यशस्वी जायसवाल, मुंबई की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने उनका अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनुरोध रद्द कर दिया है, जो उन्होंने गोवा की तरफ से खेलने के लिए बनवाया था। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नायक ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि यशस्वी हमेशा से मुंबई क्रिकेट के एक बेहतरीन चेहरे रहे हैं। हमने उनके एनओसी रद्द करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और वह आगामी घरेलू सीजन में मुंबई के लिए उपलब्ध रहेंगे।%% अप्रैल में जायसवाल ने एमसीए से एनओसी ली थी और गोवा के लिए खेलने का मन बनाया था। एमसीए ने जायसवाल के इस फैसले को 'आश्चर्यजनक' करार दिया था। हालांकि एक महीने के बाद जायसवाल ने फिर से एमसीए को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया था कि जायसवाल अपने परिवार के साथ गोवा शिफ्ट होने की योजना बना रहे थे।

नाथन लियोन का सपना, रिटायरमेंट से पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीतना

नई दिल्ली, 1 जुलाई (देशबन्धु)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन का अभी रिटायरमेंट लेने का कोई विचार नहीं है। यह 37 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी अपने करियर के अंत से पहले इंग्लैंड और भारत में सीरीज जीतने के साथ-साथ एक और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खिताब जीतना चाहता है। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीता था। इसमें लियोन ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद नाथन लियोन बीते महीने लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल का हिस्सा रहे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नाथन लियोन ने साल 2011 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। लियोन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत में तीन विकेट अपने नाम किए थे।'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' ने नाथन लियोन के हवाले से कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि मैं भारत में जीतना चाहता हूं। मैं इंग्लैंड में जीतना चाहता हूं। हमें कुछ सालों में वह मौका मिल जाएगा, लेकिन हमें टेस्ट-दर-टेस्ट खेलना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि हम वेस्टइंडीज में सब कुछ सही कर रहे हैं। फिर हमारे सामने एशेज सीरीज भी है।

मैनचेस्टर सिटी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अल हिलाल

क्लब विश्व कप

ऑरलैंडो (अमेरिका), 1 जुलाई (एजेंसियां)। मार्कोस लियोनार्डो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल हिलाल को मैनचेस्टर सिटी पर 4-3 से जीत दिलाई। इसी के साथ टीम ने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बर्नार्डो सिल्वा ने नौवें मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार कोशिशें कीं, लेकिन कोई और गोल इस हाफ में नहीं आया।

दूसरे हाफ में मार्कोस लियोनार्डो (46) और मैल्कम (52) ने गोल दागकर अल-हिलाल को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही एरलिंग हैलैंड (55) ने गोल दागकर जल्दी ही मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर ला दिया। अल-हिलाल ने अतिरिक्त समय में कलिडौ कौलीबाली (94) की मदद से फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन फिल फोडेन के 100वें सिटी गोल ने सिटी को बराबरी पर ला दिया। लियोनार्डो अल-हिलाल के लिए मैच विजेता साबित हुए। लियोनार्डो ने 112वें मिनट में गोल दागकर अल-हिलाल को 4-3 से आगे कर दिया। मैच के बाद कलिडौ कौलीबाली ने कहा कि हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा खेल खेला। रक्षात्मक रूप से हम बहुत मजबूत थे। आक्रामक रूप से हमने सभी मौकों का फायदा उठाया, इसलिए हम खुश हो सकते हैं। अल हिलाल अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस एफसी से भिड़ेगा। यह मुकाबला ऑरलैंडो के कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लुमिनेंस एफसी की टीम इंटर के खिलाफ 2-0 से मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

■ हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे : कलिडौ कौलीबाली

डीपीएल-2 : नए सीजन में शामिल हुईं दो नई फ्रेंचाइजी नीलामी में होंगे 10 से ज्यादा आईपीएल खिलाड़ी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने मंगलवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन से पहले लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ने का ऐलान किया है। 'आउटर दिल्ली' फ्रेंचाइजी को सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपये में खरीदा है। वहीं, 'नई दिल्ली' फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के साझा समूह ने 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। इस विस्तार से लीग में पुरुष टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। इससे पहले लीग में छह फ्रेंचाइजी (सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली-6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस) थीं। डीपीएल सीजन-2 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6-7 जुलाई को दिल्ली में होगी। पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई को होगी, जिसके बाद महिला खिलाड़ियों की नीलामी 7 जुलाई को होगी दिलचस्प बात यह है कि पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी में कई बेहतरीन क्रिकेटर शामिल होंगे। इनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे भी हैं। डीपीएल की वापसी पर बोलते हुए, डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह राजधानी की गहरी जड़ें जमाए क्रिकेट कल्चर का जश्न है। सीजन-1 में हमने जिस तरह का टैलेंट देखा, वह वाकई आशाजनक था। इस विस्तार के साथ, हम और भी अधिक खिलाड़ियों को चमक बिखेरने के लिए मंच दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य खिलाड़ियों ने डीपीएल और आईपीएल-2025 के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। जुलाई में होने वाली नीलामी सीजन के लिए माहौल तय करेगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह अनुभव फ्रेंचाइजी, खिलाड़ियों और फैंस के लिए समान रूप से सहज और प्रभावशाली हो। हम सीजन-2 को लीग की यात्रा में एक ऐतिहासिक मौका बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

■ डीपीएल सीजन-2 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6-7 जुलाई को दिल्ली में होगी

■ पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई को होगी,

■ महिला खिलाड़ियों की नीलामी 7 जुलाई को होगी

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 328 रनों से हराया

बुलावायो, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका ने आज जिम्बाब्वे को टेस्ट क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी हार दी, 328 रनों के विशाल अंतर से जीत दर्ज करके दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। 537 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान क्रेग एर्विन और ऑलराउंडर वेलिंगटन मसकाद्जा की थोड़ी सी वापसी के बावजूद जिम्बाब्वे अपनी दूसरी पारी में 208 रनों पर ढेर हो गया। इस जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 83 रन जोड़े, लेकिन एक बार यह साझेदारी टूट जाने के बाद उसकी पारी जल्दी ही समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश, जिन्होंने पहले शतक बनाया था, ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने पांच विकेट लिए, और टेस्ट मैच में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए। दक्षिण अफ्रीका पहले दिन 23/3 के स्कोर पर शुरुआती परेशानी में था, लेकिन डेब्यू करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने शानदार वापसी की। प्रीटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में 153 रन की शानदार पारी खेली, जिससे मेहमान टीम की लय स्थापित हो गई। इसके बाद बॉश ने निचले क्रम के साथ मिलकर स्कोर को 418/9 पर पहुंचा दिया। जिम्बाब्वे ने अपनी पहली पारी में 251 रन बनाए, जिसमें सीन विलियम्स अकेले योद्धा थे।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

ट्रेंट	3.34 प्रतिशत
एसबीआई	1.86 प्रतिशत
बीईएल	1.63 प्रतिशत
इटरनल	0.72 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.70 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	2.11 प्रतिशत
कोटक बैंक	2.03 प्रतिशत
मारुति	1.95 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	1.33 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.09 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	96,000
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,05,510
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7900-8000
उड़द दाल	9250-9350
मूंग दाल	9200-9300
अरहर दाल	8400-8500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

एसबीआई 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर देश की यात्रा में इनोवेशन और सशक्तीकरण जारी रखेगा : वित्त मंत्री

- एसबीआई अपने परिचालन के 70 वर्ष पूरे करने का जश्न मना रहा
- बैंक की बैलेंस शीट 66 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई
- ग्राहकों की संख्या 52 करोड़ से अधिक हुई

'पिछले दशक में बैंक द्वारा डिजिटल परिवर्तन ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। बैंक ने 1.5 करोड़ किसानों, महिलाओं द्वारा संचालित 1.3 करोड़ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पीएम स्वनिधि योजना के तहत 32 लाख स्ट्रीट वेंडर्स, 23 लाख एमएसएमई और विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों कारीगरों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: वित्त मंत्री

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने परिचालन के 70 वर्ष पूरे करने का जश्न मना रहा है। बैंक की बैलेंस शीट 66 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है और ग्राहकों की संख्या 52 करोड़ से अधिक हो गई है। इस अवसर पर वित्त मंत्री सीतारमण ने एसबीआई को राष्ट्र की सेवा के 70 वर्ष पूरे करने पर बधाई देते हुए कहा, '23,000 से अधिक ब्रांच, 78,000 कस्टमर सर्विस पॉइंट्स (सीएसपी) और 64,000 एटीएम के साथ आज एसबीआई की स्थिति बहुत अच्छी है और यह वास्तव में हर भारतीय का बैंक है।'

वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले दशक में बैंक द्वारा डिजिटल परिवर्तन ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। बैंक ने 1.5 करोड़ किसानों, महिलाओं द्वारा संचालित 1.3 करोड़ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पीएम स्वनिधि योजना के तहत 32 लाख स्ट्रीट वेंडर्स, 23 लाख एमएसएमई और विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों कारीगरों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बैंक के पास 15 करोड़ से अधिक जन धन खाते, 14.65 करोड़ पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 1.73 करोड़ अटल पेंशन योजना और 7 करोड़ पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थी हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यकीन है कि एसबीआई 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर देश की यात्रा में इनोवेशन और सशक्तीकरण जारी रखेगा।'

एसबीआई 1955 में अपनी स्थापना के बाद से भारत के शुरुआती विकास लक्ष्यों का समर्थन करने से लेकर डिजिटल और ग्रीन इकोनॉमी की प्रेरक शक्ति के रूप में विकसित हुआ है। एसबीआई के एक बयान के अनुसार, भारत के रिन्यूएबल एनर्जी ट्रांजिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए एसबीआई के सोलर रूफटॉप कार्यक्रम का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक चार मिलियन घरों को सौर ऊर्जा से लैस करना है, जिससे भारत के नेट जीरो 2070 लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सकेगा। एसबीआई के चेयरमैन सी.एस. सेट्टी ने कहा, 'भारत विकास और अवसर के एक नए युग में कदम रख रहा है, इसी के साथ एसबीआई बैंकिंग के भविष्य की नींव रख रहा है।

एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से अधिक हुआ

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में उसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1.1 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 16 प्रतिशत योगदान है। साथ ही, बैंक ने बताया कि सभी सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में अब बैंक की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बैंक ने बताया कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) में एसबीआई ने 15 करोड़ खाते खोले हैं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 14.6 करोड़ लोगों का पंजीकरण किया है। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 6.7 करोड़ और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में 1.73 करोड़ लोगों को नामांकित किया है। एसबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में बैंक का सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लाभ में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में सरकार की प्राप्तियां 2025-26 के बजट अनुमान का 21 प्रतिशत रहीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्र सरकार को चालू वित्त वर्ष में मई तक 7,32,963 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो 2025-26 के इसी बजट अनुमान की कुल प्राप्तियों का 21 प्रतिशत है और देश की मजबूत राजकोषीय स्थिति को दर्शाता है। प्राप्तियों में 3,50,862 करोड़ रुपए कर राजस्व (केंद्र को शुद्ध), 3,56,877 करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व और 25,224 करोड़ रुपए गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि केंद्र ने इस अवधि के लिए करों के हिस्से के हस्तांतरण के रूप में राज्य सरकारों को 1,63,471 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23,720 करोड़ रुपए अधिक है।

एनएमडीसी ने वैश्विक उपस्थिति का किया विस्तार, दुबई में खोला नया कार्यालय

हैदराबाद/दुबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में अपने नये अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित कर अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार किया है। कंपनी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस रणनीतिक कदम से एनएमडीसी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत होगी तथा यह खान क्षेत्र में कंपनी के एक बहुराष्ट्रीय ताकत बनने के सपने के अनुरूप है। एनएमडीसी के दुबई कार्यालय का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने किया। इस अवसर पर संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत एच ई संजय सुधीर, एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी, सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश, दुबई में भारत के महावाणिज्य दूत सतीश कुमार सिवन, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव विनोद कुमार त्रिपाठी तथा वहां भारत के राजनयिक मिशनों के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कंपनी का कहना है कि उसका दुबई कार्यालय उसके लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा तथा पश्चिम एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका, अफ्रीका एवं ऑस्ट्रेलिया में खनिज क्षेत्रों में घटनाक्रमों तथा नियामक परिवर्तनों और सरकारी नीतियों सहित पर सक्रिय रूप से निगाह रखेगा।

जीएसटी से देश में करदाताओं की संख्या बढ़ी, पहले के मुकाबले व्यापार करना हुआ आसान : मनोरंजन शर्मा

'बीते एक दशक में देश में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, उसमें से जीएसटी काफी अहम था। यह इसके आंकड़ों से भी स्पष्ट होता है। वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी एकत्रित हुआ था: मनोरंजन शर्मा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इन्फोमेरिक्स रेटिंग के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने मंगलवार को कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) बीते एक दशक में देश में हुए सबसे अहम सुधारों में से एक है। इससे देश में करदाताओं की संख्या में इजाफा हुआ है, साथ ही पहले के मुकाबले व्यापार करने में भी आसानी हुई है।

मनोरंजन शर्मा ने कहा, 'बीते एक दशक में देश में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, उसमें से जीएसटी काफी अहम था। यह इसके आंकड़ों से भी स्पष्ट होता है। वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी एकत्रित हुआ था, इस दौरान औसत जीएसटी कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा, जो कि पिछले साल के मुकाबले 9 प्रतिशत से भी अधिक है। वहीं, पहले वित्त वर्ष 2020-21 में जीएसटी कलेक्शन 11.37 लाख करोड़ रुपए था।'

उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर सुधार किए जाने के कारण जीएसटी में करदाताओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है। अब यह बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है, जो कि जीएसटी लागू होने के समय करीब 60 लाख थी। हाल ही में आए डेलॉइट के एक सर्वे, जिसमें कहा गया था कि 85 प्रतिशत कारोबारियों का मानना है कि जीएसटी का उनके कारोबार पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है, पर किए सवाल पर शर्मा ने कहा कि मैं इस रिपोर्ट को सही मानता हूं। पहले कई तरह के मल्टीपल टैक्स रेट हुआ करते थे, लेकिन अब जीएसटी के आने से इनका केंद्रीकरण हो गया है और वन नेशन वन टैक्स का सिद्धांत लागू हुआ है, जिससे व्यापार करने में आसानी भी बढ़ी है। उन्होंने अंत में कहा कि पिछले सात-आठ सालों में जीएसटी की प्रक्रिया काफी अच्छी चली है, लेकिन अगर हमें इसे और अच्छे तरीके से आगे ले जाना है तो सरलीकरण पर ध्यान देना होगा और करदाताओं की शिकायतों को दूर करना होगा।

सार संक्षेप

टाटा मोटर्स की बिक्री वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 8.3 प्रतिशत गिरी

मुंबई। टाटा मोटर्स ने मंगलवार को वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही की बिक्री के आंकड़े जारी किए। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की सेल्स घटकर 2,10,415 यूनिट्स हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 25 की समान अवधि में 2,29,891 यूनिट्स के मुकाबले 8.3 प्रतिशत कम है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक और यात्री वाहन दोनों ही सेगमेंट की वॉल्यूम में गिरावट देखी गई। समीक्षा अवधि में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 85,606 यूनिट्स रही, जो साल-दर-साल आधार पर 6 प्रतिशत कम है, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत घटकर 1,24,809 यूनिट्स रह गई। जून 2025 में टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री भी जून 2024 की तुलना में 12 प्रतिशत कम रही। हालांकि, कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार अच्छा रहा है। वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में अंतरराष्ट्रीय कारोबार में जोरदार वृद्धि हुई, जिसमें बिक्री में 68 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने कहा कि कंपनी के वाणिज्यिक वाहन कारोबार के लिए पहली तिमाही की शुरुआत खासकर भारी और छोटे वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में धीमी रही।

'भारत' ग्लोबल साउथ को स्वच्छ और सस्टेनेबल भविष्य की ओर ले जाने में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत ग्लोबल साउथ को पहले से अधिक स्वच्छ और सस्टेनेबल भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में सोलर एनर्जी के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) के नेतृत्व में सोलर एनर्जी 120 से अधिक देशों में एक परिवर्तनकारी शक्ति बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जोशी ने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक कैटेलिस्ट के रूप में उभरा है, जिसने ग्लोबल साउथ को क्लीन, उज्जवल और अधिक सस्टेनेबल भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में सशक्त बनाया है।' उन्होंने कहा, 'सोलर एनर्जी ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन में एक परिवर्तनकारी शक्ति बन गई है।'
केंद्रीय मंत्री का यह पोस्ट उनके द्वारा लिखे एक न्यूजपेपर आर्टिकल के संदर्भ में था। 'द इंटरनेशनल सोलर अलायंस हैज शोन अ पाथ टू क्लीन एनर्जी' शीर्षक के इस आर्टिकल को शेयर करते हुए केंद्रीय मंत्री ने ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन में सोलर पावर के महत्व पर प्रकाश डाला।
केंद्रीय मंत्री जोशी के इस पोस्ट को 'पीएमओ इंडिया' ने रिपोस्ट करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा, 'केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने एक लेख के जरिए बताया कि ग्लोबल एनर्जी लैंडस्कैप को सोलर एनर्जी किस प्रकार एक नया रूप दे रही है। न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में इंटरनेशनल सोलर अलायंस क्लीन एनर्जी क्रांति लाने में अहम भूमिका निभा रही है।'

कोयला मंत्रालय सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम वेब पोर्टल पर एक्सप्लोरेशन मॉड्यूल लॉन्च करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोल एक्सप्लोरेशन वैल्यू चेन के एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण को प्राप्त करने की दिशा में कोयला मंत्रालय सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम वेब पोर्टल पर एक्सप्लोरेशन मॉड्यूल लॉन्च करने के लिए तैयार है। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के माध्यम से 4 जुलाई को लॉन्च किए जाने वाले इस मॉड्यूल से अलॉटी को उनके एक्सप्लोरेशन प्रपोजल ऑनलाइन सबमिट करने की सुविधा मिलेगी, जिसे फिर मंत्रालय द्वारा इंटीग्रेटेड सिस्टम के माध्यम से प्रोसेस और अप्रूव किया जाएगा।

यह मॉड्यूल भूवैज्ञानिक रिपोर्ट की स्वीकृति सहित कोयले की खोज की पूरी प्रक्रिया को कवर करता है, जिसमें एक्सप्लोरेशन स्कीम की जांच करना, समय-समय पर प्रोग्रेस अपडेट प्रस्तुत करना, टिप्पणियों के सभी संचार के साथ भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना और अनुमोदन करना, अनुपालन अपलोड करना और फाइनल अप्रूवल सभी सिंगल डिजिटल इंटरफेस में होगा। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, यह प्रत्येक चरण के लिए स्ट्रक्चर्ड टाइमलाइन्स बनाए रखते हुए एक्सप्लोरेशन डेटा की प्रोसेसिंग और अप्रूवल में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'रियल टाइम ट्रैकिंग के साथ, ऑटोमेटेड डिजिटल डॉक्युमेंट मैनेजमेंट और इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड के साथ, यह मॉड्यूल एक्सप्लोरेशन प्रपोजल की प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक समय को काफी कम करने के लिए तैयार है।'

अच्छी कनेक्टिविटी और अधिक संसाधनों से लद्दाख को हो रहा फायदा: पीएम मोदी

- **बेहतर कनेक्टिविटी के कारण उनके गांव तक की यात्रा का समय कुछ साल पहले के 6 घंटे से घटकर अब 2 घंटे रह गया**

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि लद्दाख को बेहतर कनेक्टिविटी और अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जाने से केंद्र शासित प्रदेश को लाभ हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पीएम मोदी का यह बयान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की उस एक्स पोस्ट के जवाब में आया है, जो उन्होंने सुदूर हिमालयी क्षेत्र में विकास योजनाओं को लागू करने के लिए केंद्र की पहल के तहत लद्दाख की आधिकारिक यात्रा से लौटने के बाद लिखी थी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, 'केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण लिखती हैं कि कैसे बेहतर कनेक्टिविटी और लद्दाख को उपलब्ध कराए जा रहे प्रचुर संसाधन केंद्र शासित प्रदेश को लाभ पहुंचा रहे हैं।' वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'चुशुल शहर के पास एक दूरदराज के गांव से ताल्लुक रखने वाले हेमिस मठ के तुलकु (प्रशासनिक प्रमुख) ने मुझे बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी के कारण उनके गांव तक की यात्रा का समय कुछ साल पहले के 6 घंटे से घटकर अब 2 घंटे रह गया है। यह हर जगह स्पष्ट है कि लद्दाख का केंद्र शासित प्रदेश उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे प्रचुर संसाधनों से कैसे लाभान्वित हो रहा है।' वित्त मंत्री ने एक लेख में कहा, 'लद्दाख में उन्हें सबसे ज्यादा जो चीज प्रभावित करती है, वह असाधारण जीवंत रंग और शांति का भाव है।' वित्त मंत्री ने लिखा, 'कुछ दिन पहले, मैं भारत सरकार की 'वाइब्रेंट विलेज' पहल के तहत केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के आधिकारिक दौरे से लौटी हूं। दौरे का उद्देश्य 14,700 फीट की ऊंचाई पर बसे हानले गांव का दौरा करना था, जिससे इस सीमावर्ती गांव में लोगों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को समझा जा सके। लद्दाख में उतरने पर सबसे पहली चीज जो कोई देखता और महसूस करता है, वह है इसका अनूठा परिदृश्य है, जिसमें ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियां, घाटियां, विशाल घास के मैदान और जंगल शामिल हैं।'

देश में रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा एसबीआई, 40 लाख घरों को होगा फायदा

'भारत के रिन्यूएबल एनर्जी ट्रांजिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए, एसबीआई के सोलर रूफटॉप कार्यक्रम का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक 40 लाख घरों को सौर ऊर्जा से सुसज्जित करना है: एसबीआई

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अगले दो वर्षों में 40 लाख घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने में मदद करेगा। एसबीआई की इस नीति से देश में रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। एसबीआई ने आधिकारिक बयान में कहा, 'भारत के रिन्यूएबल एनर्जी ट्रांजिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए, एसबीआई के सोलर रूफटॉप कार्यक्रम का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 तक 40 लाख घरों को सौर ऊर्जा से सुसज्जित करना है, जिससे भारत के नेट जीरो 2070 लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके।' बैंक की ओर से यह ऐलान अपने 70 वर्ष पूरे होने पर किया गया है। 1 जुलाई,1955 को एसबीआई ने देश में कारोबार शुरू किया था। एसबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 25 में उसने कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर, एग्री-एंटरप्राइजेज, किसान उत्पादक संगठन और सहकारी समितियां को सपोर्ट करने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया है।

प्रथम पेज का शेष

हेमंत खंडेलवाल भाजपा के नए.... नामांकन की समय अवधि में कोई अन्य नाम न आने से खंडेलवाल के सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने का रास्ता साफ हो गया। चुनाव अधिकारी धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि बुधवार को निर्वाचक मंडल की बैठक में औपचारिक रूप से अध्यक्ष के नाम का ऐलान किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ। नामांकन के लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने से पहले श्री खंडेलवाल ने दोपहर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित वरिष्ठ पार्टी नेताओं से मुलाकात की।

केन्द्रीय नेतृत्व ने भी.... खंडेलवाल के नाम को आगे बढ़ाया। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने भी उनके नाम को हरी झंडी दी। यही वजह है कि किसी अन्य नेता ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत नहीं की।

1 लाख करोड़ की रोजगार.... भाग पहली बार आवेदन करने वालों पर केंद्रित है और दूसरा भाग नियोक्ताओं पर केंद्रित है।

पहले भाग के तहत, ईपीएफओ के साथ पंजीकृत पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए एक महीने का ईपीएफ वेतन 15,000 रुपए तक दो किस्तों में दिया जाएगा। 1 लाख रुपए तक के वेतन वाले कर्मचारी पात्र होंगे। पहली किस्त 6 महीने की सेवा के बाद और दूसरी किस्त 12 महीने की सेवा और कर्मचारी द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूरा करने के बाद दी जाएगी। बचत को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रोत्साहन का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए जमा खाते के बचत साधन में रखा जाएगा और कर्मचारी द्वारा बाद की तारीख में निकाला जा सकता है।

अमेरिका से बातचीत में.... प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान की धमकी की बिल्कुल परवाह नहीं की। उन्होंने आगे कहा, इसके उलट प्रधानमंत्री ने साफ इशारा किया कि भारत की ओर से जवाब जरूर दिया जाएगा। जयशंकर ने बातचीत में बताया कि पाकिस्तान ने वाकई उसी रात भारत पर बड़ा हमला किया, लेकिन भारतीय सेना ने तुरंत और कड़ा जवाब दिया।

उन्होंने बताया कि 10 मई की सुबह उनकी अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत हुई, जिसमें रुबियो ने कहा कि पाकिस्तान बातचीत को तैयार है। उसी दिन दोपहर में पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने सीधे भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर सीजफायर की अपील की।

अरब सागर में नौसेना ने.... विशेष उपकरणों के साथ आग बुझाने के लिए भेजा गया था। प्रारंभिक प्रयासों में ही आग की तीव्रता में काफी कमी आई और धुआं इंजन कक्ष तक सीमित कर दिया गया। इसके बाद अभियान को और तेजी देते हुए 13 अतिरिक्त नौसेना कर्मियों (5 अधिकारी और 8 नाविक) को भी जहाज पर तैनात किया गया।

नौसेना का कहना है कि लगातार प्रयासों के फलस्वरूप आग पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया गया है। जहाज पर तापमान की निगरानी और स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। आईएनएस तबर फिलहाल मौके पर ही मौजूद है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। भारतीय नौसेना के इस साहसी और कुशल प्रयासों ने न केवल टैंकर को बचाया, बल्कि सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की। यह घटना फिर एक बार यह सिद्ध करती है कि भारतीय नौसेना न केवल परिचालन रूप से सजग है, बल्कि भारतीय समुद्री क्षेत्र में मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए भी सदैव तत्पर है। यह भारत की प्रथम उत्तरदाता की भूमिका को और मजबूत करता है।

आर्थिक अन्याय का हथियार.... कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति दोस्तों को लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।'

राहुल गांधी ने दावा किया कि अच्छे और सरल कर का वादा किया गया था, लेकिन भारत को पांच अलग-अलग दर वाली कर व्यवस्था मिली, जिसे 900 से अधिक बार संशोधित किया गया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां तक कि पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके दायरे में आ गए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ता एमएसएमई क्षेत्र को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना टैक्स छूट में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का आनंद लेते हैं।''

पेट्रोल-डीजल को जानबूझकर.... लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया, 'भारत एक ऐसी कर प्रणाली का हकदार है जो केवल विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे, ताकि छोटे दुकानदार से लेकर किसान तक हर भारतीय हमारे देश की प्रगति में भागीदार बन सके।'

ईवी सब्सिडी के बिना मस्क अपनी दुकान बंद कर साउथ अफ्रीका चले जाएंगे : ट्रंप

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ और अपने पूर्व सलाहकार एलन मस्क को डिपोर्टनेशन की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर सब्सिडी बंद कर दी जाए तो मस्क को अपनी दुकान बंद करके साउथ अफ्रीका जाना होगा। ट्रंप ने यह चेतावनी मंगलवार देर रात (अमेरिकी समयानुसार) अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर उनके और मस्क के बीच विवाद के बीच दी। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'एलन मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से बहुत पहले ही पता था कि मैं इलेक्ट्रिक वाहन मेनडेट के सख्त खिलाफ हूं और यह हमेशा मेरे अभियान का एक प्रमुख हिस्सा रहा है।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

113 मरीजों की जांच में 31 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद, दी समझाइश

आठनेर, देशबन्धु। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर में मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। शिविर का शुभारंभ युवा साहू सेवा संगठन जिला बैतूल के स्वास्थ्य शाखा प्रभारी ओंकार साहू, चिरायु मेडिकल अस्पताल के प्रो अभिषेक शुक्ला, स्वास्थ्य विभाग अजमेर के नेत्र चिकित्सा सहायक जीएस अर्गल, डॉ शुभम शर्मा, डॉ आशीष शर्मा ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर नेत्र चिकित्सा सहायक जीएस अर्गल ने कहा कि मोतियाबिंद रोग के लिए जन जागरूकता फैलाना जरूरी है। चिरायु अस्पताल के अभिषेक शुक्ला ने कहा कि संगठन के माध्यम से मरीज को खोज कर ऑपरेशन के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाना और उन्हें नई रोशनी मिले इसके लिए प्रयास करना एक अच्छी पहल है। डॉ शुभम शर्मा ने मरीज को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन के पहले मरीज को बीपी और शुगर की जांच अनिवार्य रूप से करनी चाहिए ऑपरेशन के पहले जो टैबलेट आप प्रतिदिन ले रहे हैं, उसका सेवन लगातार करना चाहिए। डॉ शुभम शर्मा ने मरीजों को ऑपरेशन के बाद रखने वाली जानकारियां प्रदान की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर में आयोजित शिविर में 130 मरीज के आंखों की जांच की गई जिसमें से 31 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। सभी 31 मरीजों को बस द्वारा चिरायु मेडिकल अस्पताल भोपाल ले जाया गया जहां सभी मरीजों के निशुल्क ऑपरेशन किए जाएंगे।

जन्मदिन सादगी और सम्मान के साथ मनाया, किया पौधारोपण, सेवा

आमला, देशबन्धु। आमला अवरिया थानी सारणी रोड संगठन की ओर से माननीय डॉ. योगेश पंडाग्रे जी का जन्मदिन बड़े ही सादगीपूर्ण और गरिमामय माहौल में मनाया गया। यह कार्यक्रम आसीफ ट्रेडर्स परिसर में दोपहर 1:20 बजे आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. पंडाग्रे को गुलदस्ता और पारंपरिक गमछा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के अध्यक्ष मोहम्मद आसीफ लंघा, सलमान खान, बजेश राठौर, कमल डांगे, अनिल उइके अध्यक्ष, भारतीय आदिवासी पार्टी , यश गुगनानी, मदन साहू, ललित मान्धाता, बबलू मांडूगड़े, शशिकांत मोखेड़े, अल्ताब खान, मोहम्मद यूसुफ सहित अनेक लोग कार्यक्रम में शामिल होकर डॉ. पंडाग्रे को शुभकामनाएं दीं। सभी ने डॉ. पंडाग्रे के सामाजिक योगदान की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

शासकीय पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए काउंसलिंग आज होगी

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बैतूल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों के लिए आज 2 जुलाई को संस्था स्तर काउंसलिंग प्रक्रिया की जाएगी। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.अरुण सिंह भदौरिया ने बताया कि संस्था स्तर काउंसलिंग में भाग लेने के लिए अभ्यार्थी को सीएलसी राउंड के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा।

अजब गजब: मौत के बाद जमीन और पेंशन हड़पने का खेल

शिक्षक की मौत: 3 महिलाओं ने किया पत्नी होने का दावा

बैतूल, देशबन्धु। किसी हिंदी फिल्म की शूटिंग नहीं, असल है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों को चौंका दिया। एक सरकारी शिक्षक(जिसकी मृत्य हो चुकी) की पेंशन और खेतीबाड़ी को लेकर था, लेकिन सबसे अजीब बात यह रही कि मृत शिक्षक की पत्नी होने का दावा एक नहीं बल्कि तीन महिलाओं ने किया। इनमें से एक महिला, प्रेमलता परते, अपने बेटे के साथ पहुंची और खुद को मृत शिक्षक की असली पत्नी बताते हुए शिकायत दर्ज कराई कि बाकी दो महिलाएं झूठे दस्तावेज बनाकर पेंशन और संपत्ति पर अवैध रूप से कब्जा करना चाहती हैं। इससे भी हैरत की बात ये है कि शिकायतकर्ता महिला के मुताबिक, दोनों महिलाओं के पति जिंदा हैं। मामला पेंशन और खेती पर कब्जे से जुड़ा है, जिसमें फर्जी दस्तावेज बनवाने का आरोप लगाया गया है।

ग्राम सोनाघाटी निवासी प्रेमलता परते ने शिकायत में बताया कि उनके पति स्व. नानू परते शासकीय शिक्षक थे, उनका निधन 4 अक्टूबर 2024 को हो चुका है। लेकिन अब दो महिलाएं सुमित्रा पति सतीष, निवासी भीमपुर, और गौरा पति रायजू, निवासी बेहड़ा, तहसील भैसदेही खुद को नानू परते की पत्नी बताकर उनकी पेंशन और खेती-बाड़ी पर दावा कर रही हैं।

प्रेमलता परते ने एसपी से शिकायत करते हुए कहा कि इन दोनों महिलाओं द्वारा आधार कार्ड, राशन कार्ड जैसे कई कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी रूप से नानू परते की पत्नी होने का प्रमाण देने की कोशिश की जा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि इन दोनों के असली पति जीवित हैं। शिकायत में प्रेमलता परते ने स्पष्ट किया कि नानू परते की मृत्यु प्रमाण पत्र की मूल प्रति उनके पास है, और किसी भी अन्य मृत्यु प्रमाण पत्र को अमान्य माना जाए।

उन्होंने आशंका जताई कि ये महिलाएं रूपयों के लालच में किसी भी विभाग या बैंक में जाकर नानू परते की पत्नी होने का दावा कर सकती हैं। इसीलिए उन्होंने मांग की है कि यदि भविष्य में ये महिलाएं किसी भी सरकारी या न्यायिक विभाग में दस्तावेज प्रस्तुत करें तो उसकी जांच अवश्य की जाए और उन्हें झूठा माना जाए। प्रेमलता परते ने यह भी आरोप लगाया कि ये दोनों महिलाएं उनके खिलाफ भी झूठे दस्तावेज बनाकर कोई अनैतिक कार्य कर सकती हैं। प्रेमलता ने दोनों महिलाओं के परिचय पत्रों की प्रतिलिपि भी अपने आवेदन के साथ संलग्न की है और एसपी से गुहार लगाई है कि संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी जाए ताकि किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी रोकी जा सके। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में विधिसंगत कानूनी कार्यवाही कर न्याय दिलाया जाए।

डॉक्टर को जान से मारने की धमकी दी, एफआईआर दर्ज

- जमीन पर कब्जे, तोड़फोड़ के मामले में आया नया मोड़

आमला, देशबन्धु। आमला के बोडखी वार्ड क्रमांक 18 की एक महिला डॉक्टर को अपने ही घर की जमीन पर कब्जे, तोड़फोड़ के मामले में अब निर्णायक मोड़ आया है। आखिरकार पीड़िता की शिकायत पर आमला थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर में जानलेवा धमकी, तोड़फोड़ और गाली-गलौच जैसी धाराएं शामिल की गई हैं। डॉ. नेहा सहगल की शिकायत पर अनावेदकों के खिलाफ आमला थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 324(2), 296(बी) और 351(बी) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

एफआईआर के अनुसार घटना 27 जून 2025 को शाम 5 से 5:30 बजे के बीच की है, जब डॉ. नेहा सहगल के घर स्थित पानी की टंकी और पाइप को अनावेदकों ने तोड़ दिया। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है, जो बोडखी चौकी को सौंपा गया है। डॉ. नेहा सहगल ने बताया कि उनके नाम खसरा नंबर 8/27 रकबा 0.040 हेक्टेयर की संपत्ति है, जिसमें मकान, दुकान, गली और रिक्त भूमि शामिल है। तहसीलदार द्वारा 1 अप्रैल 2024 को सीमांकन कर यह स्पष्ट किया गया था कि यह भूमि पूरी तरह से डॉ. नेहा की है। इसके बावजूद अनावेदक उस पर जबरन कब्जा किए हुए हैं और लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल पर जान से मारने की धमकी भी दी थी और गली में आने-जाने से रोकने की धमकियां दी जा रही थीं। मामला कई महीनों से पुलिस चौकी और तहसील कार्यालय में लंबित था, लेकिन अब जाकर कार्रवाई की गई है। एफआईआर में यह भी दर्शाया गया है कि अनावेदकों द्वारा दी गई धमकियों, गाली-गलौच और ज़मीन कब्जे की हरकतें लंबे समय से जारी थीं। पीड़िता ने पहले 27 फरवरी 2024 को भी बोडखी चौकी में शिकायत की थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। डॉ. नेहा सहगल का कहना है कि वह केवल अपने अधिकारों और न्याय के लिए लड़ रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रसूताओं को अस्पताल से छुट्टी के समय ही मिला जन्म प्रमाण पत्र

चिचोली, देशबन्धु। बेटा हो या बेटी, जब घर में नन्हे मेहमान की किलकारी गूंजती है, तो परिवार का हर सदस्य खुशी से झूम उठता है। लेकिन अक्सर इस खुशी के साथ शुरू होता है जन्म प्रमाण पत्र के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने का सिलसिला। अब इस परेशानी से निजात दिलाने की दिशा में चिचोली अस्पताल ने एक बड़ी पहल की है, जहां प्रसव के तुरंत बाद अस्पताल से डिस्चार्ज के साथ ही नवजात को जन्म प्रमाण पत्र सौंपा जा रहा है।

मंगलवार को इसी पहल का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली में किया गया। प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप धुर्वे ने इस व्यवस्था की शुरुआत करते हुए तीन प्रसूताओं को उनके नवजात शिशुओं के जन्म प्रमाण पत्र डिस्चार्ज के समय ही प्रदान किए। जिन प्रसूताओं को लाभ मिला उनमें ग्राम कहुपानी की हितग्राही ज्योति को उनकी नवजात पुत्री का, ग्राम कचनार की हितग्राही सीमा को उनकी नवजात पुत्री का तथा ग्राम मोतीपुर की हितग्राही सुखमनी को उनके नवजात पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस दौरान ब्लॉक मैनेजमेंट टीम से बीईई अनिल कटारे, बीपीएम एकनाथ ठाकुर, बीसीएम विनीत आर्य, जन्म प्रमाण पत्र प्रभारी नीलेश सूर्यवंशी, सहयोगी राजकुमार यादव, एमटीएस पंकज डोंगरे तथा चिकित्सालय के आईपीडी नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों की पढ़ाई रुकी, लोग पानी को तरसे, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

अंधेरे में डूबा तारा काजली जोड़, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

- हैंडपंप लगाने की मांग

शाहपुर, देशबन्धु। शाहपुर तहसील के ग्राम घिसीबागला के तारा काजली जोड़ मोहल्ले के ग्रामीण इन दिनों बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। न बिजली की सुविधा है, न पेयजल का इंतजाम। ऐसे में ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी अंधेरे और प्यास के साए में गुजर रही है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर बुजुर्गों की दिनचर्या तक हर चीज प्रभावित हो रही है। इसी गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों की ओर से यह ज्ञापन युवा आदिवासी नेता जितेंद्र सिंह इवने और ग्राम पंचायत सदस्य अभिषेक कुमरे के नेतृत्व में सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि तारा काजली जोड़ में रहने वाले करीब 40 घरों के लोग रात के समय घुप्प अंधेरे में रहने को मजबूर हैं क्योंकि वहां अब तक चौबीस घंटे

बिजली आपूर्ति के लिए कोई लाइन ही नहीं डाली गई है। बिजली न होने की वजह से बरसात के दिनों में परिवारों को कीड़ों-मकोड़ों और सर्प जैसे जीवों का खतरा बना रहता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होती है जो रात के समय पढ़ाई नहीं कर पाते। ग्रामीणों का कहना है कि बिना बिजली के भी बिजली विभाग के कर्मचारी उनसे बिल की मांग कर रहे हैं, जिससे मोहल्ले के लोग मानसिक रूप से परेशान हैं।

ग्रामीणों ने मांग की है कि मोहल्ले में एक हैंडपंप लगाया जाए ताकि उन्हें पेयजल संकट से राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान अभिषेक कुमरे, सुनील यादव, महेंद्र मालवीय, कल्लूसिंह कुमरे, शुभम, मुकेश, रमेश, दिनेश, राकेश, दीपू, शेरू, पप्पू, विनोद, छोटू, महेश, सोहन, शेकू, खजू आदि मौजूद रहे।

एक किलोमीटर दूर से लाना पड़ता है पीने का पानी

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बिजली के अभाव में चिचोली बिजली कंपनी के कर्मचारी लगातार दबाव बनाकर बिल वसूल रहे हैं, जबकि गांव में कोई भी नियमित बिजली सप्लाई नहीं हो रही है। बिजली के साथ-साथ पेयजल की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। तारा काजली जोड़ मोहल्ले के ग्रामीणों ने ज्ञापन में यह भी बताया कि उन्हें पीने का पानी करीब एक किलोमीटर दूर से लाना पड़ता है क्योंकि ना तो मोहल्ले में कोई हैंडपंप है और ना ही नल-जल योजना की सुविधा है। वर्तमान में यहां लगभग चालीस मकान हैं और सभी परिवार पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं।

स्काउटिंग से संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना अपने मन में होती है जागृत : श्रीवास्तव

- पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में तृतीय सोपान गाइड्स परीक्षण शिविर का शुभारंभ

बैतूल, देशबन्धु। तैयार रहो... इस नारे के साथ जब सैकड़ों गाइड्स ने कदमताल की तो पीएम केंद्रीय विद्यालय बैतूल का परिसर राष्ट्रसेवा के भाव से गूंज उठा। अनुशासन, समर्पण और संस्कार का अद्भुत संगम बने इस शिविर में 40 विद्यालयों से आईं 250 गाइड्स ने स्काउटिंग की विधाओं को सीखा और जीवन मूल्यों को भी आत्मसात किया। तीन दिवसीय तृतीय सोपान परीक्षण शिविर का यह आयोजन राज्य स्तरीय पहचान बन गया है, जिससे सफल होने वाली गाइड्स को राज्य व राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामांकन का मौका मिलेगा। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैतूल में 1 जुलाई से 3 जुलाई तक आयोजित तृतीय सोपान गाइड्स परीक्षण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष राजीव नंदन श्रीवास्तव तथा विशेष अतिथि अमिता पांडेय के करकमलों से संपन्न हुआ। अतिथियों ने मां सरस्वती एवं स्काउट्स के जनक बेडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का उद्घाटन किया। कलर पार्टी द्वारा भव्य स्वागत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। विद्यालय के प्राचार्य आर एन पांडेय ने अतिथियों का हरित स्वागत करते हुए कहा कि स्काउटिंग जीवन को दिशा देने वाला अनुशासन का पाठ है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कैम्प की सफलता हेतु शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। इस शिविर में भोपाल संभाग के इंदौर, भोपाल, इटारसी, खंडवा एवं रतलाम संकुल के लगभग चालीस विद्यालयों की ढाई सौ गाइड्स अपनी अनुरक्षक शिक्षिकाओं के साथ भाग ले रही हैं। यह शिविर प्रशिक्षण का केंद्र है, गाइड्स के लिए एक ऐसा मंच है जो उन्हें राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों की ओर अग्रसर करता है। जिसमें शिविर प्रमुख श्रीमती कृष्णा खातरकर, एचडब्ल्यूबी गाइड्स की श्रीमती रचना सोनी, क्वार्टर मास्टर राजेन्द्र सातपुते, केवी रायसेन की मीनू परिहार, केवी-2 भोपाल की वर्षा रायकवार सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने पूर्ण मनोयोग से सहयोग दिया।

विरोध करने पर अतिक्रमणकारियों ने गांववालों को दी जान से मारने की धमकी

बैतूल, देशबन्धु। एक तरफ शासन शिक्षा के क्षेत्र में करोड़ों की योजनाएं चला रहा है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी अंचल की हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। प्राथमिक शाला कुनखेड़ी का पुराना शिक्षक आवास और स्कूल भवन आज विवादों की आग में झुलस रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि यह जमीन स्कूल भवन के लिए दान की गई थी, लेकिन अब उस पर अवैध कब्जा कर निर्माण तोड़फोड़ हो रही है। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं। मामला अब एसपी और कलेक्टर कार्यालय तक पहुंच गया है।

ग्रामीणों ने एसपी और कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए बताया कि प्राथमिक शाला के पुराने शिक्षक आवास और भवन पर गन्नू पिता किसना पोटे और उनके तीन पुत्रों द्वारा जबरन कब्जा कर तोड़फोड़ की जा रही है। गन्नू पोटे का बेटा वामनराव पोटे फिलहाल इंडियन आर्मी में पदस्थ है और अवकाश पर गांव आया हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार वह भी इस निर्माण और धमकियों में शामिल है। आरोप है कि जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और प्रशासन से शिकायत की बात कही तो गन्नू पोटे व उनके परिजनों ने खुलेआम कहा कि कलेक्टर, एसपी से शिकायत करने जाओ, हम घर में घुसकर मारेंगे, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

प्राथमिक शाला भवन निर्माण के लिए दान दी गई थी जमीन

ग्रामीणों ने बताया कि जिस भूमि पर यह अवैध निर्माण और कब्जा किया जा रहा है, वह भूमि वर्ष 1949 के पहले परसराम पिता रामासाव निवासी भैंसदेही द्वारा प्राथमिक शाला भवन निर्माण हेतु दान दी गई थी। इस पर आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा प्राथमिक शाला भवन, शिक्षक आवास, अतिरिक्त कक्ष, हैंडपंप और एक पुराना कुआं भी निर्मित किया गया था। प्रकरण से संबंधित खसरा नंबर 155/1, रकबा 0.094 हेक्टेयर भूमि पर 2 मार्च 2022 को रजिस्टर्ड विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण कर विक्रेता यशपाल मालवीय का नाम हटाकर खरीदार सहद्रा पति गन्नू पोटे का नाम दर्ज कर दिया गया था।

अधूरी नाली का मामला जनसुनवाई में जा पहुंचा

बैतूल, देशबन्धु। जनपद पंचायत मुलताई की ग्राम पंचायत येनस में इन दिनों नाली निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। शिव मंदिर के पास खुदी नाली का गड्ढा बारिश के पानी से लबालब भरा है, जिससे मच्छरों का प्रकोप और गंभीर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्य पूरा नहीं किया गया, तो इससे जनहानि की आशंका भी बनी रहेगी। इसी चिंता को लेकर ग्रामीण जनसुनवाई में पहुंचे और जिला प्रशासन से गुहार लगाई कि आस्था के केंद्र शिव मंदिर परिसर में अधूरा कार्य तुरंत पूर्ण कराया जाए। ग्रामीण छोटेलाल, सतीश, हीरालाल, मनोज सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि शिव मंदिर के ठीक सामने नाली का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। इस नाली के गड्ढों में बरसात का पानी भर गया है और अब वहां मच्छर, मक्खियों का जमावड़ा हो गया है। इससे गांव में डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा गड्ढों में गंदा पानी भरे रहने से मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के गिरने की भी संभावना बनी हुई है। ग्रामीणों ने इस बात की आशंका जताई कि यदि समय रहते इसे नहीं भरा गया तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जिले में पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां बारिश के पानी से भरे गड्ढों में बच्चे गिरकर अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन को इन घटनाओं से सबक लेते हुए इस तरह की स्थितियों से निपटने के लिए संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस स्थान पर यह नाली खोदी गई है, वह कोई साधारण स्थान नहीं पूरे गांव की आस्था से जुड़ा शिव मंदिर है।

मां सूर्यपुत्री ताप्तीजी पर लगा भक्तों का जमावड़ा, पूजा-अर्चना और महाआरती के बीच मनाया जाएगा भव्य जन्मोत्सव, अवकाश घोषित किया

मुलताई से सूरत तक आज 18 स्थानों पर ताप्ती को समर्पित होगी चुनरी

मुलताई/बैतूल, देशबन्धु। मां सूर्यपुत्री ताप्ती के जन्मोत्सव पर आज 2 जुलाई को तीन राज्यों के 18 स्थलों पर 108 मीटर लंबी चुनरी मां ताप्ती को ओढ़ाई जाएगी, जिससे नदी के घाट आस्था के केंद्र बन जाएंगे। अखिल भारतीय जीण माता सेवा संघ सूरत गुजरात एवं मां सूर्यपुत्री ताप्ती जागृति समिति मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के कुल 18 स्थलों पर किया जाएगा।

मां सूर्यपुत्री ताप्ती जागृति समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामकिशोर पवार और जीण माता समिति सूरत के शरद खंडेलवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोकमाता तापी मैया का जन्मोत्सव आषाढ़ शुक्ल सप्तमी आज 2 जुलाई बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश में तापी नदी के उद्गम स्थल मुलताई से सागर में विलय वाले सूरत शहर तक 732 किलोमीटर की यात्रा के बीच कुल 18 स्थानों पर तापी मैया को जन्मोत्सव के मौके पर एक सौ आठ मीटर लंबी चुंदड़ी ओढ़ाकर श्रद्धालु अपना भक्तिभाव प्रकट करेंगे। जन्मोत्सव कार्यक्रम के सिलसिले में संघ ने कार्यकर्ताओं की टीम गठित कर सूरत के अलावा सभी 18 शहर-कस्बों में कार्यक्रम के लिए स्थानीय स्तर पर तैयारियां की है। वहीं, शहर के एक हजार आठ मंदिरों में तापी नदी के जल के कलश भी तापी जन्मोत्सव के मौके पर रखे जाएंगे।

यहां मनाएंगे चुंदड़ी महोत्सव

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात में तापी नदी के तट पर 18 प्रमुख शहर-कस्बे स्थित हैं, जिनका पौराणिक महत्व हैं। इनमें मुल्ताई, पौनी, बारहलिंग, थालनेर, चांगदेव, पारसडोह, धाबला, मांडवी, परसडोह, दोहलन, प्रकाशा, सारंगखेड़ा, नीमगव्हान, खेड़ी, माछी, देवल घाट, बोरपानी व सूरत प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कार्यकर्ताओं की बनाई टीम

कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र राजपुरोहित ने बताया कि विभिन्न स्थलों पर गठित टीम में राजेश खंडेलवाल, राजू पाटनकर, रामकिशोर पवार, जितेंद्र कपूर, राजेंद्र मोई, मनोहर अग्रवाल, किशोरमुरार, ललित हेरोडे, गिरीश मगरदे, केशव पाटिल,चंदू देशमुख, रविंद्र आनंद राव,करसनभाई, अरुण पटेल, भीखू भाई, सुभाष काल भोर, राजेश दीक्षित, सुरेश पवार, श्याम टेकपुरे, गणेशगिरी के अलावा सूरत के वेदप्रकाश, कुंजबिहारी सुल्तानिया, मोहित काबरा, गोरीशंकर, रमेश खंडेलवाल, महेश पाटनेचा, शंकर कटोडा, राजेश काबरा, नमन खंडेलवाल, दिलीप पटेल, गोविंद जिंदल, रघु खंडेलवाल आदि शामिल हैं।

तापी के घाट पर हुई साफ-सफाई

श्रीकुरुक्षेत्र शमशान भूमि ट्रस्ट की ओर से तापी जन्मोत्सव से पहले रविवार को जहांगीरपुरा स्थित कुरुक्षेत्र घाट पर तापी नदी व तट की साफ-सफाई की गई। ट्रस्ट के कमलेश सेलर ने बताया कि आज 2 जुलाई को तापी माता की जयंती के मौके पर पूजा-अर्चना एवं महाआरती के आयोजन घाट पर किए जाएंगे।

आज रहेगा स्थानीय अवकाश

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 2 जुलाई को मां ताप्ती जन्मोत्सव के अवसर पर जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया हुआ है। मां ताप्ती जन्मोत्सव जिले का सबसे महत्वपूर्ण उत्सव है, जिसमें प्रतिवर्ष मुलताई में करीब एक लाख श्रद्धालु मां ताप्ती की पूजा-अर्चना और स्नान के लिए एकत्रित होते हैं।

ग्राम कामथ से निकलेगी भव्य ध्वज यात्रा, 101 गांवों से ग्रामीण होंगे शामिल

बैतूल, देशबन्धु। सूर्य पुत्री माता ताप्ती का जन्मोत्सव इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। लगातार तीसरे वर्ष विरासत समिति के संरक्षक राजू अनुराग पवार के संयोजन में ग्राम कामथ से एक विशाल ध्वज पदयात्रा निकाली जाएगी, जो मुलताई स्थित माता ताप्ती के पावन तट तक पहुंचेगी। इस यात्रा में 101 गांवों से सैकड़ों ग्रामीण सहभागिता करेंगे, जो 151 ध्वज लेकर माता के चरणों में अर्पण करेंगे। राजू अनुराग पवार ने बताया कि पदयात्रा ग्राम कामथ के प्राचीन शिव मंदिर से विधिवत पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ की जाएगी। विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ एम ओ यू का आदान-प्रदान

विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक और पहल

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केंद्र के बीच मंत्रालय में एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। इस साझेदारी के अंतर्गत दोनों संस्थान जल संरक्षण, सतत् कृषि और ग्रामीण आजीविका सृजन, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, गौधन संवर्धन, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। यह समझौता सतत् विकास लक्ष्यों की दिशा में राज्य सरकार की पहलों को सशक्त् करने, सार्वजनिक निजी भागीदारी को बढ़ावा देने, नीतिगत निर्णयों में सहयोग, योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन और व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदेश की दीर्घकालिक विकास योजना विजन 2047 के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुए समझौता पत्र के आदान-प्रदान के अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी संजय शुक्ला, म.प्र. राज्य नीति आयोग के ऋषि गर्ग, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के रोहन जैन, अजित भास्कर तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। पद्म विभूषण श्री श्री रविशंकर द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था समग्र विकास सहित क्षमता विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री 4 जुलाई को वितरित करेंगे लैपटॉप

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 4 जुलाई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप वितरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले वर्ष 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मंगलवार को भोपाल में केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने उनके निवास पर भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक गोपाल भर्गव को जन्मदिन की बधाई दी।

देहदान या अंगदान करने वालों के परिजन को सम्मानित करेगी सरकार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देहदान या अंगदान करने वालों के परिजन को राज्य सरकार 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के कार्यक्रमों में सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि मृत्यु के बाद किसी को जीवन का उपहार देना सिर्फ दान नहीं, बल्कि यह अमरत्व प्रदान करने जैसा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि देहदान अथवा हृदय, लीवर व गुर्दा दान (डोनेट) करने वाले देहदानियों/अंगदानियों के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

नेपाली समाज को ताकतवर बनाना होगा : घिमिरे

भोपाल, देशबन्धु। श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज गोविन्दपुरा भोपाल का 47 वां वार्षिक साधारण सभा आज श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर गोविन्दपुरा में आयोजित की गई। बैठक में समाज का वार्षिक लेखा-जोखा और वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन पेश किया गया। इसके साथ ही अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए।

अध्यक्षता नेपाली समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सुरेश पाण्डे ने किया। बैठक में सभी वार्ड अध्यक्षों व सदस्यों ने अपने वार्ड की समस्याओं से समाज को अवगत कराया। श्री घिमिरे ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज को और ताकतवर बनाने के लिए हमें हर नेपाली बंधु तक पहुचंना होगा। हमें प्रवास पर रह रहे युवाओं का आवाज बनाना है। श्री घिमिरे ने कहा कि युवा और महिला प्रत्येक समाज की रीढ़ होते है। इनका योगदान मंदिर के कार्यक्रम में और बढ़ाने की जरूरत है। लोकमणी घिमिरे ने कहा कि समाज से जुड़े सभी पदाधिकारी और सदस्य अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी से निभाएं ताकि समाजिक एकता को मजबूत बनाया जा सके। इस दौरान मंच पर मौजूद समाज के पदाधिकारियों को नेपाली टोपी व माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज के पूर्व अध्यक्ष दीवाकर आर्यल, विष्णु शर्मा, जगन्नाथ पौडेल, घनश्याम बालवासे, लोकनाथ तिमिल सेना सहित समाज के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, प्रबंधन कमेटी, विभिन्न प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, महिला समिति के पदाधिकारी एवं आजीवन एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

गीतकार शिवकुमार अर्चन की पुण्यतिथि पर जबलपुर में आयोजन 5 जुलाई को

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन, जबलपुर इकाई के संयोजन में नवगीत के सशक्त हस्ताक्षर शिव कुमार अर्चन पर केंद्रित कार्यक्रम %गीत विमर्श% दिनांक 5 जुलाई 2025 (शनिवार) को संध्या 6ः30 बजे हीरालाल राय कला वीथिका, रानी दुर्गावती संग्रहालय, भँवरलाल पार्क, जबलपुर में सुनिश्चित हुआ है।

मीडिया कार्यशाला में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक ने कहा-

3 किलोवॉट का सोलर लगाने पर 78 हजार की मिलेगी सब्सिडी

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एमपीयूवीएनएल) के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैंस ने कहा है कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाने पर शासन द्वारा 78 हजार रुपए की सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है। श्री बैंस ने जनता से अपील की है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर पोर्टल पर अधिक से अधिक आवेदन करें। प्रदेश में लगभग 850 वेंडर इस कार्य में संलग्न किए गए हैं, आवेदक स्वयं उसमें से आप वेंडर का चयन कर सकते हैं। श्री बैस मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और नॉलेज पार्टनर काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर ने साथ मिलकर आज प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मध्यप्रदेश में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में उन्होंने मीडिया को राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने वाले प्रावधानों, इसमें मौजूद संभावनाओं और मध्यप्रदेश को सौर ऊर्जा संपन्न बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। श्री बैंस ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत आवासीय घरों की छतों पर सोलर लगाने का प्रावधान किया गया है। इसमें पहले दो किलोवॉट के लिए प्रति किलोवाट 30 हजार और तीसरे किलोवॉट के लिए 18 हजार सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इस तरह से 3 किलोवाट के रूफटॉप सोलर के लिए कुल 78 हजार रुपये की सब्सिडी उपलब्ध हैं। श्री बैस ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से ग्रिड पर उपभोक्ता की निर्भरता कम होती है। इससे दिन के समय उपभोक्ता के इस्तेमाल के लिए सस्ती बिजली मिलेगी। छतों पर सोलर सिस्टम को लगाने में उपभोक्ताओं की जितनी राशि व्यय होती है, वह 5 से 6 वर्ष में वसूल की जाएगी। श्री बैंस ने बताया कि मध्यप्रदेश अक्षय ऊर्जा नीति 2025 के तहत 2030 तक प्रदेश की कुल बिजली खपत में अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसमें राज्य सरकार के हरित ऊर्जा अनुपालन वाले विभागों, मॉडल अक्षय ऊर्जा शहरों और हरित क्षेत्रों के लिए चरणबद्ध विकास का लक्ष्य रखा गया है, जो 2024 में 20 प्रतिशत, 2027 में 50 प्रतिशत और 2030 में 100 प्रतिशत है। इसके अलावा, 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 50 हजार से अधिक नौकरियां पैदा करने का भी लक्ष्य है।

आयुक्त जनसम्पर्क ने संचालनालय में किया पौधरोपण

भोपाल, देशबन्धु। आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने मंगलवार को जनसम्पर्क संचालनालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने अशोक और गुलमोहर का पौधा लगाया। इस अवसर पर जनसम्पर्क के स्टाफ ने आयुक्त जनसम्पर्क को उनके जन्मदिवस के अवसर पर बधाई दी। इस दौरान अपर संचालक जी.एस. वाधवा, अपर संचालक संजय जैन एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।